



**नील प्रिंटिंग प्रेस**

हर प्रकार की वेब ऑफसेट एवं रंगीन वा बहुरंगीन प्रिंटिंग के लिए नैय्य में एक मात्र स्थान

ई 33, सेक्टर 7 नोएडा (गुपी)

फोन नं. : 9811157562

फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

# भेदी नजर

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मालीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- [www.bhedinazar.com](http://www.bhedinazar.com)

आवश्यकता है

1- न्यूज एडीटर  
 2- एकाउन्टेन्ट  
 3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)  
 4- चपरासी

सर्मर्पक करें- 9811157562

समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 16 अंक : 297

Email : [bhedinazardaily@gmail.com](mailto:bhedinazardaily@gmail.com)

RNI NO. HAR/HIN/2011/43680

Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25

पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये



गृह मंत्रालय  
भारत सरकार

## सबसे श्रेष्ठ ये देश जो है स्वदेश

CBC 19101/13/0021/2627

**आंतरिक सुरक्षा बलों का सम्मान**

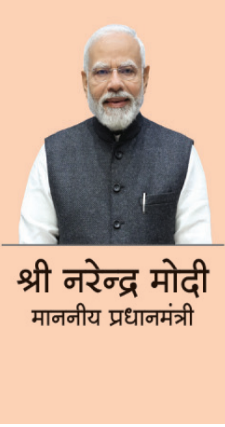
**राष्ट्रीय एकता दिवस**  
31 अक्टूबर, 2026  
एकता नगर, गुजरात

**भारत पर्व**  
1 से 15 नवंबर, 2026  
एकता नगर, गुजरात

एक ही जगह देखें, एकता के रंग अनेक

राष्ट्रीय एकता दिवस  
31 अक्टूबर 2026  
सौरभ चौक पुरी, एकता नगर, गुजरात

जानकारी और ठहरने की बुकिंग के लिए स्कैन करें या विज़िट करें [rashtriyaektadiwas.com](http://rashtriyaektadiwas.com)



श्री नरेन्द्र मोदी  
माननीय प्रधानमंत्री



संक्षिप्त समाचार

### सीईसी के इस्तीफे तक नहीं रुकेगा विपक्ष

- दिल्ली में राहुल गांधी का दावा की जन सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को दिल्ली के त्रिलोकपुरी स्थित ब्लॉक 20 में वोट अधिकार जीने का अधिकार जन सुनवाई में शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि देश में ऊपर के स्तर से वोट चोरी की जा रही है और गरीबों के नाम जानबूझकर



# एसआईआर पर अब दीवाली बाद होगी 'सुप्रीम' सुनवाई

- ईसी के हलफनामे पर जवाब देने के लिए याचिकाकर्ताओं 10 दिन का समय



नई दिल्ली (एजेंसी)। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन और चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर राहुल गांधी समेत विपक्षी दलों के नेताओं की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। चुनाव आयोग ने अपने 248 पेज के हलफनामे में आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि एसआईआर से जुड़े सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए थे। कोर्ट ने मुख्य मामले में याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह को आयोग के जवाब पर हलफनामा दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय दिया। इसके अलावा, सांसद डोला सेन की याचिका पर चुनाव आयोग को अतिरिक्त हलफनामा

**चुनाव आयोगमें अंदरूनी मतभेद पर उठाए गए सवाल**

याचिकाओं में उन खबरों का हवाला दिया गया है, जिनमें दावा किया गया कि निर्वाचन आयोग के नाम पर करीब 14 फैसले लिए गए, जबकि अन्य दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संघु और विवेक जोशी ने इन पर आपत्ति दर्ज की थी। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, अक्टूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच दोनों चुनाव आयुक्तों ने एसआईआर से जुड़े विभिन्न कदमों पर कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी। राकेश कुमार सिंह की ओर से दायर एक याचिका में कहा गया है कि बहुसदस्यीय निकाय होने के कारण निर्वाचन आयोग के फैसले एकतरफा नहीं लिए जाने चाहिए।

**चुनाव आयोगने आरोपों कोकियाखारिज**

निर्वाचन आयोग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल कर इन आरोपों को खारिज किया। आयोग ने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे। आयोग ने इस दावे को गलत बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य दो आयुक्तों की आपत्तियों के बावजूद एकतरफा निर्णय लिए। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने के बाद दाखिल अपीलों के संबंध में आयोग ने कहा कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अधिकारियों की ओर से 16.10 लाख अपीलें दाखिल की गईं। आयोग ने इन अपीलों को दाखिल करने के अपने फैसले के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला भी दिया है।

## राष्ट्रपति पुलिस ध्वज से सम्मानित होगी चंडीगढ़ पुलिस

- बड़ी उपलब्धि, 1 नवंबर को अमित शाह सौपेंगे सम्मान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सिटी ब्यूटीफुल की चंडीगढ़ पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि सामने आई है। पुलिस बल को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस ध्वज से सम्मानित करने के प्रस्ताव को राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 26 अक्टूबर को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 1 नवंबर को चंडीगढ़ पुलिस को यह सम्मान प्रदान करेंगे। बता दें कि राष्ट्रपति पुलिस ध्वज पुलिस संगठनों को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। यह सम्मान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस के आधुनिकीकरण, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई और नागरिकों को बेहतर सेवाएं देने में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है।

**चंडीगढ़ पुलिस को मिल चुके हैं कई पदक**

1 नवंबर 1966 को पुनर्गठित चंडीगढ़ पुलिस का आदर्श वाक्य वी केयार फॉर यू है। अपने कार्यकाल के दौरान पुलिस बल को विभिन्न श्रेणियों में सम्मान और पदक प्राप्त हुए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, चंडीगढ़ पुलिस को एक वीरता पदक, विशेष सेवा के लिए 20 राष्ट्रपति पुलिस पदक, सराहनाईय सेवा के लिए 108 पदक और संयुक्त राष्ट्र के 52 पदक मिल चुके हैं।

**60 हजार से ज्यादा कार्यक्रमों में संभाली कानून-व्यवस्था**

रिकॉर्ड के मुताबिक, वर्ष 2009 से अब तक चंडीगढ़ पुलिस ने कानून-व्यवस्था से जुड़े 60,501 कार्यक्रमों और आयोजनों को संभाला है। इनमें वर्ष 2025 के 2,582 कार्यक्रम भी शामिल हैं। पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार, इन आयोजनों के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। इन कार्यक्रमों में रोज फेस्टिवल, नेशनल क्राफ्ट मेला और विभिन्न रैलियों जैसे बड़े सार्वजनिक आयोजन शामिल रहे हैं। ऐसे आयोजनों के दौरान भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल रहा है।

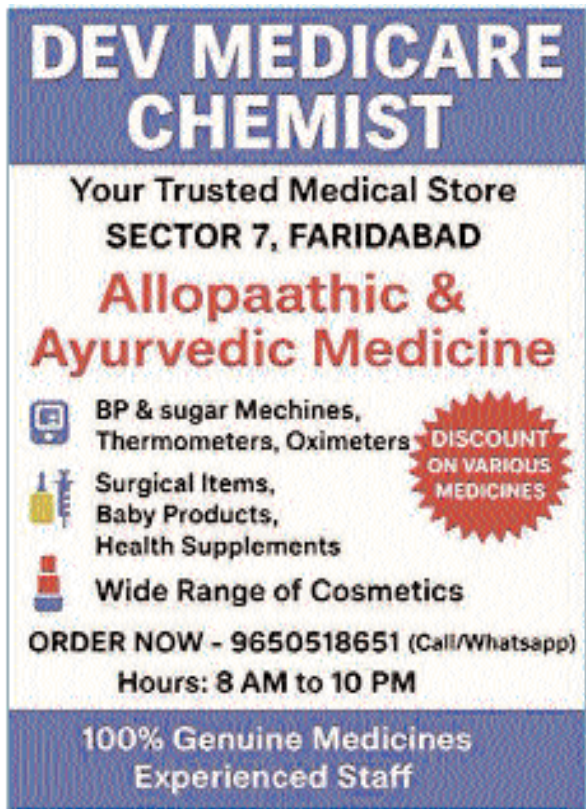
## मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल में भूकंप आपदा पर हुई मॉकड्रिल डॉ एमपी सिंह

भेदी नजर ,मोहरपाल सिंह ; डीजी होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस के आदेश अनुसार उपयुक्त फरीदाबाद के दिशा निर्देशानुसार नोडल अधिकारी तहसीलदार फरीदाबाद सुमेर सिंह के नेतृत्व में सेक्टर 14 स्थित मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल में भूकंप आपदा पर मॉकड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें संदीप मोर एसपीओ सराय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे इस कार्यक्रम में 1700 विद्यार्थियों और 50 अध्यापकों के अलावा एसडीआरएफ होमगार्ड सिविल डिफेंस फायर ब्रिगेड रेडक्रॉस एवं सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने भाग लिया इस कार्यक्रम में 31 घायल विद्यार्थियों को 2 हैंड शीट 3 हैंड शीट चार हाथ शीट फायरमैन लिफ्ट पिक ए बैक रिवर्स पिक ए बैग फोर आर्म लेफ्ट स्ट्रेचर ब्लैकट लिफ्ट व्हीलचेयर आदि के द्वारा निकाला गया फायर अफसर ने पानी के द्वारा आज पर काबू पाया कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर एवं सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन डॉ एमपी सिंह ने मंच का संचालन करते हुए भूकंप के दौरान क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और जितेंद्र काली रमन के नेतृत्व में दो घायलों को बहुमंजिला इमारत से रस्सी के द्वारा उतारा गया रेड क्रॉस के द्वारा फर्स्ट एड पोस्ट लगाई गई अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रदीप शर्मा ने आए हुए सभी व्यक्तियों का धन्यवाद किया मॉक ड्रिल सुबह 10:30 बजे शुरू होकर 1:00 सोसाइ इड किसी की हताहत होने की कोई सूचना नहीं है यह सिर्फ सभी विभागों की तैयारी का आकलन करने के लिए तथा जागरूकता के लिए की गई थी ।




## यूपी में गरीबों को 100 चूने मुफ्त में देगी सरकार

टीचिंग स्टाफ को 5 लाख का फ्री इलाज, लिए 22 फैसले लखनऊ (एजेंसी)। योगी कैबिनेट ने फैसला किया है कि गाय खरीदने पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी राज्य सरकार देगी। यह केवल दो गाय खरीदने पर मिलेगी। इसके अलावा गरीब परिवारों को मुर्गी पालन के लिए 100-100 चूने मुफ्त बांटे जाएंगे। सीएम योगी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में 22 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।



**DEV MEDICARE CHEMIST**

Your Trusted Medical Store

SECTOR 7, FARIDABAD

**Allopaathic & Ayurvedic Medicine**

BP & sugar Mechines, Thermometers, Oximeters

Surgical Items, Baby Products, Health Supplements

Wide Range of Cosmetics

ORDER NOW - 9650518651 (Call/Whatsapp)

Hours: 8 AM to 10 PM

100% Genuine Medicines Experienced Staff



## बंगाल में रेप-मर्डर के आरोपी की मुठभेड़ में मौत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के गायघाटा में 17 साल की छात्रा से रेप और हत्या के आरोपी 23 साल के युवक की पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। सोमवार रात क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मी की सर्विस रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। पश्चिम बंगाल में 1 मई से 24 सितंबर तक रेप के 2,454 मामले दर्ज हुए। यानी इन पांच महीनों में हर दिन औसतन करीब 17 रेप के मामले सामने आए। क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग करने वाले आरोपी की मौत की यह तीन महीने में दूसरी घटना है। पुलिस के मुताबिक, गोली लगने के बाद आरोपी को चांदपाड़ा ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

### आध्यात्मिक जागृति की अविरल सरिता में सम्पन्न हुआ 79वाँ निरंकारी संत समागम

» ब्रह्मज्ञान की शिक्षाओं को जीवन में उतारना ही जागृति:निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

**पानीपत/समालखा, (चुघ)भेदी नजर।** ‘ब्रह्मज्ञान की वास्तविक सार्थकता उसे जीवन में अपनाने और अपने विचारों, व्यवहार एवं कर्मों में शामिल करने में है।’ ये दिव्य भाव सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने 79वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के समापन दिवस पर लाखों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को अपने पावन आशीर्वाचनों द्वारा प्रदान किए। जागृति’ की आध्यात्मिक प्रेरणाओं को अपने जीवन में आत्मसात कर स्वयं के उत्थान के साथ-साथ जगत कल्याण की भावना को सुदृढ़ करने वाला यह पावन संत समागम कल रात्रि प्रेमभक्ति एवं श्रद्धा से ओतप्रोत वातावरण में संपन्न हुआ। समागम से आध्यात्मिक प्रेरणा और मधुर स्मृतियां लेकर श्रद्धालु भक्तजन धीरे-धीरे अपने-अपने गंतव्यों की ओर प्रस्थान करने लगे। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने विशाल मानव परिवार को सम्बोधित करते हुए अपने पावन प्रवचनों में फरमाया कि ‘जागृति’ केवल सत्यांग या समागम तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के हर पल में निराकार परमात्मा के अह्मास के साथ जीने का नाम है। ब्रह्मज्ञान की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब हम इसे अपने विचारों, व्यवहार और कर्मों में अपनाएं। सकारात्मक सोच, प्रेम, करुणा और विनम्रता अनाने तथा दूसरों की कमियों के बजाय उनकी खूबियों को देखने की प्रेरणा दी। सच्ची जागृति का आरंभ अपने घर-परिवार और निजी जीवन से होता है।इस अवसर पर संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी के पावन दर्शन कर उनके दिव्य आशीर्वाद के लिए कृतज्ञता व्यक्त की साथ ही समस्त साध-संसात तथा समागम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सरकारी विभागों का हार्दिक आभार प्रकट किया।

**कवि दरबार-** इस वर्ष समागम के चारों दिन आयोजित कवि दरबार में बाल कवियों सहित महिला एवं पुरुष कवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जो आकर्षण का एक मुख्य बिन्दू रहा। इस अवसर पर 80 कवियों ने ‘जागृति’ विषय पर आधारित अपनी स्वरचित कविताएँ हिंदी, राजस्थानी, पंजाबी, अंग्रेजी, हरियाणवी, मुलतानी, मराठी, भोजपुरी एवं संस्कृत सहित विभिन्न भाषाओं में प्रस्तुत कीं। इन भावपूर्ण काव्य प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया और सभी ने इस आयोजन का भरपूर आनंद प्राप्त किया। इस प्रकार, 79वाँ वार्षिक निरंकारी संत समागम सतगुरु के दिव्य संदेश, प्रेम, भक्ति एवं मानवता के भावों से ओतप्रोत वातावरण में संपन्न हुआ।जिसने अनेकता में एकता और संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में पिरोने का दिव्य संदेश दिया।

### हरियाणा के पेंशनरों को नवंबर में देना होगा जीवन प्रमाण पत्र

» **नाम के पहले अंग्रेजी अक्षर के अनुसार निर्धारित की गई तिथियां घर बैठे भी जमा कर सकेगें डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र**

**पलवल।** हरियाणा सरकार से सेवानिवृत्त पेंशनरों को अपनी पेंशन निर्बाध रूप से प्राप्त करने के लिए नवंबर माह में अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाना होगा। इस संबंध में जिला कोषाधिकारी पलवल वर्षा दलाल ने बताया कि वर्ष 2012 के बाद सेवानिवृत्त होकर खजाना एवं उप खजाना कार्यालयों से पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों को संबंधित खजाना कार्यालय में बायोमेट्रिक जीवन प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है। वहीं, बैंकों के माध्यम से पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों को अपना जीवन प्रमाण पत्र संबंधित बैंक में जमा करवाना होगा। पेंशनर स्मार्टफोन के माध्यम से भी घर बैठे अपना डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। जिला कोषाधिकारी वर्षा दलाल ने बताया कि खजाना कार्यालय पलवल से लगभग तीन हजार पेंशनर पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। पेंशनरों को जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाने में असुविधा न होे और कार्यालय में भीड़ एकत्रित न होे, इसके लिए नाम के पहले अंग्रेजी अक्षर के अनुसार तिथियां निर्धारित की गई हैं।

**अक्षरवार निर्धारित की गई हैं तिथियां -**

● ए, बी, सी और डी (A, B, C, D): 2, 3, 4, 5 और 6 नवंबर। ● ई, एफ, जी, एच, आई और जे (E, F, G, H, I, J): 10, 11, 12 और 13 नवंबर। ● के, एल, एम, एन, ओ, पी, व्यू और आर (K, L, M, N, O, P, Q, R): 16, 17, 18, 19 और 20 नवंबर। ● एस, टी, यू, वी, डब्ल्यू, एक्स, वाई और जेड (S, T, U, V, W, X, Y,): 23, 25, 26 और 27 नवंबर। निर्धारित तिथियों पर किसी कारणवश जीवन प्रमाण पत्र जमा नहीं करवा पाने वाले पेंशनर 30 नवंबर को अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करवा सकते हैं। जिला कोषाधिकारी वर्षा दलाल ने सभी पेंशनरों से अपील की कि वे निर्धारित तिथियों के अनुसार ही खजाना कार्यालय में पहुंचकर अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाएं, ताकि अनावश्यक भीड़ से बचा जा सके। उपखजाना कार्यालयों से पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों को अपना जीवन प्रमाण पत्र संबंधित उपखजाना कार्यालय में ही जमा करवाना होगा।

**ये दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य-** जिला कोषाधिकारी ने बताया कि जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाने के लिए खजाना कार्यालय या बैंक में जाते समय पेंशनर अपने साथ पैन कार्ड, पीपीओ (पेंशन भुगतान आदेश) की प्रति और आधार कार्ड अवश्य लेकर आएँ। आधार कार्ड से पंजीकृत मोबाइल नंबर भी साथ रखना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों को पुनर्विवाह न करने संबंधी प्रमाण पत्र भी देना होगा। वहीं, पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहे आश्रित बच्चों को परिवार पहचान पत्र के अनुसार अपनी आय का प्रमाण पत्र जमा करवाना अनिवार्य है।

## फरीदाबाद

# एक नवम्बर की दिल्ली महारैली बदलेगी राजनैतिक फिजा: अशोक तंवर

**कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर ने फरीदाबाद में कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर सौंपी जिम्मेदारी**

**फरीदाबाद।** कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं फरीदाबाद जिला प्रभारी डा. अशोक तंवर आज सैक्टर-9 स्थित जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर पहुंचे और आगामी एक नवम्बर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट बचाओ-देश बचाओ रैली की तैयारियों को लेकर बैठक ली। इस मौके पर फरीदाबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं फरीदाबाद जिला प्रभारी डा. अशोक तंवर का स्वागत किया। इस अवसर पर डा. अशोक तंवर ने जिले के तमाम कांग्रेसी नेताओं से

रूबरू हो प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से भारी संख्या में लोगों को दिल्ली रैली में ले जाने की जिम्मेदारी लगाई। इस अवसर पर पूर्व सांसद अशोक तंवर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देश में जनता की आवाज बन गए है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार बीजेपी के पदाधिकारी के रूप में कार्य कर रहे है। यह सार्वजनिक हो चुका है। इसलिए कांग्रेस देशव्यापी आन्दोलन चला रही है और उनका यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं दे देते। उन्होंने दावा किया कि एक नवम्बर को दिल्ली की रैली एक महारैली में तब्दील होगी। इस रैली में

लगभग दस लाख लोग शिरकत कर देश की राजनैतिक फिजा बदलने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा जाति-धर्म की राजनीति कर लोगों को बांटने का काम कर रही है और देश में वोट चोरी से सरकार बनाई जा रही। भाजपा राज में महंगाई चरमसीमा पर है और बेरोजगार बढ़ रही है, जिससे युवा भटक रहा है। चहुँओर भ्रष्टाचार व्यक्त है और देश में एक तरह से अंग्रेजी शासन की तरह तानाशाहीपूर्ण राज चलाया जा रहा है। श्री तंवर ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह भारी संख्या में लोगों को लेकर राहुल गांधी की आवाज में दम

बनाने का काम करें। इस बैठक में तिगांव विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी रोहित नागर, वेद प्रकाश यादव, रenu चौहान, तिलक नागर, डा. सौरभ शर्मा, अनिल शर्मा, मास्टर ऋषिपाल, मनोज अग्रवाल, ठाकुर राजाराम, योगेश ढींगड़ा, मुकेश ङागर, उमेश कौशिक, गौरव ढींगड़ा, विधान प्रताप, अनुज शर्मा, सुनीता फागना, दीपक चौधरी, वीरेंद्र चंदोला, एन.के. शर्मा, विकास फागना, प्रेम यादव, सुंदर नेताजी, कामिल मलिक, गौरव चौधरी, सुरेश बेनीवाल, ऋतु कुंडू, लक्ष्मण तंवर, अर्जुन सैनी, बलजीत



अरोड़ा, सरला भमोत्रा, राकेश चपराना, दिनेश शर्मा, एस.के. गोयल, अरुण अग्रवाल, मौसीन खान, संजय सोलंकी, देव वंशिका, सुदेश ङागर, महेंद्र चौधरी, राहुल सरदाना, सुगन चंद जैन, दीपक शर्मा, शालिनी चोपड़ा, चंचल तंवर, अश्वनी कौशिक, जसविंदर, रमेशपुर सरपंच, परवीन शर्मा, राजेंद्र चौहान, राम मेहर गोयल एवं मंगत शर्मा सहित अनेक साथी उपस्थित रहे।

## हरियाणा सरकार से रिटायर्ड पेंशनरों को नवंबर में देना होगा जीवन प्रमाण पत्र

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार से पेंशन प्राप्त कर रहे रिटायर्ड पेंशनरों को अपनी पेंशन जारी रखने के लिए नवम्बर माह में जीवित होने का प्रमाण पत्र देना है। इसकी प्रक्रिया खजाना कार्यालय और उप खजाना कार्यालयों में 1 नवम्बर से शुरू होगी। जिला कोषाधिकारी अंजली ने बताया कि सन् 2012 के बाद रिटायर हुए और खजाना या उप खजाना कार्यालयों से पेंशन ले रहे पेंशनरों को खजाना कार्यालय में बायो मेट्रिक जीवन प्रमाण पत्र देना है, जबकि बैंक से पेंशन लेने वाले पेंशनर अपना प्रमाण पत्र बैंक में जमा करवाएंगे। जिन पेंशनरों का नाम ए, बी, सी और डी से शुरू होता है, वे 2, 3, 4 और 5 नवंबर को, ई, एफ, जी, एच, आई और जे से शुरू होने वाले नाम वाले पेंशनर 6, 10, 11 और 12 नवंबर को; के, एल, एम, एन, ओ, पी, व्यू और आर वाले पेंशनर 13, 16, 17, 18 और 19 नवंबर को; एस, टी, यू, वी, डब्ल्यू, एक्स, वाई और जेड वाले पेंशनर 20, 23, 25, 26 और 27 नवंबर को अपना प्रमाण पत्र जमा करवा सकते हैं। जो पेंशनर किसी कारणवश तय तिथि पर नहीं आ पाए, वे 30 नवम्बर को अपना प्रमाण पत्र जमा करवा सकते हैं। उपखजाना कोसली और बावल से पेंशन लेने वाले पेंशनर अपना प्रमाण पत्र उन्हीं उपखजानों में जमा करवाएंगे।

कोषाधिकारी ने बताया कि प्रमाण पत्र देने जाते समय पेंशनर अपने साथ पैन कार्ड, पीपीओ, आधार कार्ड और आधार से जुड़ा रिजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर जरूर लेकर जाएं। इसके साथ ही पारिवारिक पेंशनरों को पुनः विवाह न करने का प्रमाण पत्र भी देना होगा, और पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहे आश्रित बच्चों को परिवार पहचान पत्र के अनुसार अपना आय प्रमाण पत्र भी जमा करवाना जरूरी है। जो पेंशनर कार्यालय या बैंक नहीं आ सकते, उनके लिए घर बैठे सुविधा भी उपलब्ध है। वे स्मार्ट फोन में प्ले स्टोर से आधार फेस आरडी और जीवन प्रमाण फेस एप डाउनलोड करके अपने जीवित होने का प्रमाण दे सकते हैं। बीमार और बुजुर्ग पेंशनर, जो कहीं आने जाने में असमर्थ हैं, इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के प्रतिनिधि के माध्यम से डिजीटल लाईफ सर्टिफिकेट दे सकते हैं, जिसके लिए सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क लागू होगा।

## फरीदाबाद के 11 विद्यालयों में विद्यार्थियों को बाल अधिकारों एवं बाल संरक्षण के प्रति किया गया जागरूक



## ● बच्चों को कानूनी अधिकारों की जानकारी देकर सुरक्षित एवं सशक्त बनाने की पहल

**फरीदाबाद।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (छफ़्), फरीदाबाद द्वारा ‘सुरक्षित बचपन अभियान’ के अंतर्गत बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं कानून के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले के 11 विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मुजुसर, फरीदाबाद सहित निर्धारित विद्यालयों में श्री जितेंद्र सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फरीदाबाद तथा श्री सौरभ शर्मा, प्रधान न्यायाधीश, किशोर न्याय बोर्ड, फरीदाबाद ने

# लेखिका खुशवंत रानी सेवानिवृत्त शिक्षिका के विशेष अंश

**फरीदाबाद। भेदी नजर,वंदना**, लेखिका श्रीमती खुशवंत रानी एक सेवानिवृत्त शिक्षिका की कलम द्वारा विशेष अंश:-उन्हें साहित्य लेखन, पठन-पाठन तथा सामाजिक सरोकारों से विशेष लगाव है। जीवन के वास्तविक अनुभवों और मानवीय संवेदनाओं को सरल एवं प्रभावशाली शब्दों में प्रस्तुत करना उनकी लेखनी की विशेषता है। उनकी रचनाएँ पाठकों को जीवन-मूल्यों, करुणा और मानवीय रिश्तों की गहराई से परिचित कराती हैं। जिंदगी एक कहानी तो नहीं, पर कहानियाँ जिंदगी से ही निकलती हैं। कभी भावनाओं की उथल-पुथल से, कभी जिंदगी के उतार-चढ़ाव से, कभी रिश्तों के मकड़जाल से यूँ ही कहानियाँ बन ही जाती हैं। आज बरसों बाद मैंने फिर से कलम उठाई है। शब्दों के खूबसूरत जोड़-तोड़ से ‘अनुभव ‘की एक कहानी बनाई है, आशा करती हूँ कि आपको अच्छी लगेगी। बात उन दिनों की है, जब हम अक्सर रेलगाड़ी के माध्यम से अपने होम-टाउन आया-जाया करते थे। ऐसे ही एक बार सपरिवार



हम अपने होम-टाउन से वापस आ रहे थे। सीटें रिजर्व थीं, पर गाड़ी फिर भी खचाखच भरी हुई थी। कोई ताश खेलने में मग्न था, कोई समाचार-पत्र के पन्ने उलटने-पलटने में व्यस्त था, कोई अधनिद्रा का लुलुफ उठा रहा था। हम भी सहयात्रियों की बातों में व्यस्त थे। तभी अचानक गाड़ी को जोरदार झटका लगा और गाड़ी एक अनजान जगह,आउटर पर रुक गई। कोई समझ नहीं पाया कि अचानक ऐसा क्या हुआ। कुछ लोग गाड़ी से नीचे भी उतरे, पर गाड़ी रुकने का कारण पता नहीं चल पाया। तभी एक मजदूर सा दिखने वाला एक व्यक्ति गाड़ी में चढ़ा और हमारी रिजर्व सीटों पर ही आकर बैठ गया।

वह भगवान को छुकराना करने लगा कि उसकी छूटी हुई गाड़ी उसे मिल गई। एक मन हुआ कि उसे उठा दे कि वो हमारी रिजर्व सीट पर इस तरह कैसे बैठा गया कि मन में विचार आया कि रहने दो,थोड़ी-सी जगह पर बैठ ही गया तो कौन-सी हमारी शान पर बन आई है। तभी बच्चो को

भूख लग गई। हमने खाना शुरू ही किया था कि मुझे लगा कि बहुत हसरत से खाने को देख रहा था। जब मेरी उस पर नजर गई तो अंदर ही अंदर यह एहसास हुआ कि यह व्यक्ति बहुत भूखा है। तब मैंने उसे अपना खाना खाने को दिया। वह बहुत भूखा था। बिना किसी नानुकुर के उसने प्यार से खाना खाया। उस वक़्त गाड़ी अपनी रफ़्तार पकड़ चुकी थी। थोड़ी देर में प्लेटफार्मा आ गया। तब उसे पता चला कि वह गलत गाड़ी में बैठ गया है। यह एहसास होते ही वह गाड़ी से नीचे उतर गया। वह घटना भले ही बहुत बड़ी घटना न हो, पर मुझे लगता है कि शायद ऐसा नहीं है। मुझे आज भी शांति है कि यह सब प्रभु की अनंत कृपा थी। क्या उसके नाम का अनाज प्रभु ने अनजाने ही मेरे मुकद्दर में लिखकर वहीं तक पहुँचाया था या मैंने ही उसका दिया लौटाया था, इसान नहीं जानता। पर जिंदगी की एक सच्चाई है, जिसे मैं अपने शब्दों में लिख रही हूँ--दाना-पानी खींच के लाता, कौन किसी को खिलाता,कौन किसी का खाता।



## संपादकीय

## पैरा एशियाड में दिखी दिव्यांगों की दिव्यता

जापान के आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने नया इतिहास रचा है। अब तक हुए पैरा एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों का यह स्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्वर्ण व पैंतीस रजत पदकों समेत कुल 114 पदक भारत की झोली में डाले। जबकि 2०23 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे। इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के

मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही। एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है। आईची-नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी

व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह असामान्य कामयाबी हासिल की है। इन खिलाड़ियों की यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है। हमें हर चुनौती में

सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए। हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं।आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाड खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है। पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। जिसमें कुल पैंसठ पदक जीते गए। इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बेडमिंटन,

तैराकी और तीरंदाजी में रही। वहीं निशानेबाजी,टेबल-टेंनिस, जूडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते। इन्हीं कामयावियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी। एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियां व अपूर्णताओं से जूझना और फिर

एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना। कहावत है कि 'सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा।' कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दिव्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है।

## भगवान केवल आरथा नहीं, अनुभूति और चिंतन का विषय

यशवंत गोरे

पांडुरंगशास्त्री आठवले का मानना था कि ईश्वर केवल आकाश में या मंदिरों में नहीं, बल्कि प्रत्येक मनुष्य के हृदय में विराजमान है। मनुष्य के भीतर मौजूद इसी ईश्वर पर विश्वास रखने और हर व्यक्ति में ईश्वर का अंश देखने का संदेश देने वाले दादाजी ने स्वाध्याय आंदोलन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उनका निधन 25 अक्टूबर 2003 को हुआ था। उनकी पुण्यतिथि पर उनके विचारों और समाज के लिए किए गए कार्यों को याद करना, वास्तव में मनुष्य के भीतर छिपी अच्छाइयों को पहचानने का अवसर है।

पांडुरंगशास्त्री आठवले का जन्म 19 अक्टूबर 1920 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के रोहा में हुआ था। उनके पिता वैजनाथ शास्त्री संस्कृत के विद्वान और व्याकरण के ज्ञाता थे। उनके दादा लक्ष्मणशास्त्री भी विद्वान होने के साथ समाज सुधार की भावना रखते थे। वे हरिजन बस्तियों में जाकर लोगों को ज्ञान और सद्विचारों से जोड़ते थे। ऐसे पारिवारिक संस्कारों ने दादाजी के व्यक्तित्व को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बचपन से ही दादाजी की रुचि भारतीय दर्शन, संस्कृत और भगवद्गीता में थी। उन्होंने न्याय, व्याकरण और भारतीय दर्शन का गहरा अध्ययन किया। आधुनिक ज्ञान-विज्ञान और विभिन्न विचारधाराओं को भी समझा। उनका उद्देश्य केवल विद्वान बनना नहीं था, बल्कि ज्ञान को आम आदमी के जीवन से जोड़ना था। उन्होंने भगवद्गीता के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उनका मानना था कि धर्म का उद्देश्य केवल पूजा-पाठ और कर्मकांड तक सीमित नहीं होना चाहिए। धर्म मनुष्य के व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। उसके विचारों और कर्मों से समाज में प्रेम, आत्मीयता और समानता बढ़नी चाहिए।

दादाजी ने अक्टूबर 1955 में ठाणे में तत्वज्ञान विद्यापीठ की स्थापना की। यहां भारतीय दर्शन और संस्कृत के अध्ययन के साथ समाज को जागरूक करने का कार्य भी शुरू हुआ। विभिन्न वर्गों के लोगों के लिए प्रशिक्षण शिबिर आयोजित किए गए। इन शिविरों में धर्म, संस्कृति, भारतीय दर्शन और जीवन-मूल्यों पर चर्चा होती थी। मार्च 1958 में उन्होंने 18 युवा स्नातकों के साथ ‘भक्तिफेरी’ का प्रयोग शुरू किया। इसके अंतर्गत

स्वाध्यायी गांव-गांव जाकर लोगों से मिलते, उन्हें भगवद्गीता और उपनिषदों के विचारों से परिचित कराते तथा आत्मसम्मान और आपसी भाईचारे का संदेश देते थे। इस कार्य की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि स्वाध्यायी जिन गांवों में जाते, वहां के लोगों पर आर्थिक बोझ नहीं डालते थे। वे बिना किसी आर्थिक अपेक्षा के सेवा करते थे। दादाजी के लिए भक्ति का अर्थ केवल ईश्वर के सामने सिर झुकाना नहीं, बल्कि ईश्वर की बनाई हुई सृष्टि और उसके प्रत्येक मनुष्य के प्रति प्रेम रखना था।

दादाजी ने आध्यात्मिक विचारों को व्यावहारिक जीवन से जोड़ने के लिए अनेक प्रयोग किए। ‘योगेश्वर कृषि’, ‘वृक्ष मंदिर’, ‘मत्स्यगंधा’ और ‘लोकनाथ अमृतालय’ जैसे उपक्रमों के माध्यम से लोगों को सामूहिक श्रम, सहयोग और आत्मनिर्भरता की प्रेरणा दी गई। ‘वृक्ष मंदिर’ योजना के अंतर्गत स्वाध्याय परिवार वालों ने शासन से हजारों एकड़ बंजर जमीन पट्टे पर लेकर वृक्ष लगाए। इससे पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिली उनका मानना था कि वृक्ष में भगवान है... यह केवल आस्था नहीं, अनुभूति और चिंतन का विषय है। उनका कहना था कभी एक पल वृक्ष के पास बैठकर सोचिए...हम जड़ों में पानी देते हैं, लेकिन वही जल धरती से ऊपर उठकर शाखाओं और पत्तों तक कैसे पहुँचता है? एक विशाल वृक्ष बिना किसी स्वार्थ के हमें छाया देता है, प्राणवायु देता है, फल-फूल देता है और जीवन को सहारा देता है। वृक्ष कहता है: ‘मेरी छांव में थोड़ा बैठिए, आपको शांति मिलेगी और मुझे आपका साथ।’ परम पूज्य पांडुरंग शास्त्री आठवलेजी द्वारा प्रेरित ‘वृक्ष मंदिर’ का भाव हमें प्रकृति में परमात्मा की अनुभूति करने, वृक्षों से प्रेम करने और उनकी सेवा व रक्षा करने की प्रेरणा देता है। ‘योगेश्वर कृषि’ के माध्यम से खेती को सामूहिक भक्ति और सामाजिक सहयोग से जोड़ने का प्रयास हुआ। ‘मत्स्यगंधा’ प्रयोग में मछुआरा समुदाय के लोगों को अपनी आजीविका और सामूहिक विकास के लिए प्रेरित किया गया। वृक्ष मंदिर जैसे प्रयोगों ने प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक एकता की भावना को मजबूत किया। इन प्रयोगों का उद्देश्य केवल आर्थिक समृद्धि नहीं था। दादाजी चाहते थे कि लोगों में यह भावना विकसित हो कि वे समाज पर बोझ नहीं, बल्कि समाज की शक्ति हैं।

# संपादकीय

# जंतर-मंतर पर प्रतिबंध, फिर भी सड़कों पर आंदोलन

सौरभ चार्षाण्य

वोट चोरी के आरोपों से शुरू हुआ आंदोलन, सरकार की जवाबदेही, विपक्ष की भूमिका और युवाओं की बेचैनी के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े कर रहा है। देश में चुनावी पारदर्शिता और कथित वोट चोरी को लेकर शुरू हुआ आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। दो अक्टूबर से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्म बना हुआ है। जंतर-मंतर जैसे निर्धारित स्थानों पर प्रदर्शन से संबंधित प्रतिबंधों और प्रशासनिक सीमाओं के बीच आंदोलन की आवाज सड़कों तक सुनाई दे रही है।

विपक्षी दलों के साथ युवाओं की भागीदारी और स्वतंत्र रूप से अपनी बात रखने वाले यूट्यूबरों तथा डिजिटल पत्रकारों की सक्रियता ने इस मुद्दे को एक नया आयाम दिया है। सवाल यह है कि क्या इस आंदोलन को केवल राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जाना चाहिए, या फिर इसके पीछे लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास से जुड़ी चिंताओं को भी समझने की आवश्यकता है?

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव केवल सरकार बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की इच्छा व्यक्त करने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर हैं। मतदाता अपने मत के जरिए सत्ता को स्वीकार करता है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदलने का अधिकार भी रखता है। इसलिए चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर उठने वाले सवालों को गंभीरता से सुनना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। हालांकि, वोट चोरी जैसे गंभीर आरोपों को प्रमाणों और तथ्यों के आधार पर परखा जाना भी उतना ही आवश्यक है। आरोप लगाना और आरोप सिद्ध होना दो अलग-अलग बातें हैं। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि न तो सवाल पूछने वालों को बिना सुने खोज किया जाए और न ही बिना प्रमाण किसी आरोप को अंतिम सत्य मान लिया जाए। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के सामने विरोध प्रदर्शनों से निपटने की चुनौती रहती है। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का दायित्व है, लेकिन इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते समय नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान भी जरूरी है। यदि किसी स्थान पर सुरक्षा, यातायात या कानून-व्यवस्था से संबंधित प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो उनके पीछे स्पष्ट कारण होने चाहिए और उनका पालन निष्पक्ष तरीके से कराया जाना चाहिए। सरकार की आलोचना करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को व्यवस्था विरोधी मान लेना उचित नहीं है। उसी कारण आंदोलन के नाम पर कानून तोड़ने या आम नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करने को भी सही नहीं ठहराया जा सकता। लोकतंत्र में सरकार और प्रदर्शनकारियों, दोनों से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है। यदि आंदोलन को लेकर यह धारणा बनती है कि सरकार असहमति की आवाज को

### विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है। यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता। साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है।



जनता तक पहुंचने से रोकना चाहती है, तो इससे राजनीतिक अविश्वास बढ़ सकता है। दूसरी ओर, यदि आंदोलनकारी तथ्यों के बजाय केवल भावनाओं के आधार पर दावे करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। बेहतर रास्ता यही है कि चुनावी शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, संबंधित संस्थाएं तथ्यों के साथ जवाब दें और जनता के सामने स्थिति स्पष्ट की जाए। विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है।

यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता।

साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है। लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी अवश्य हैं, लेकिन दोनों की जवाबदेही अंततः जनता के प्रति है। चुनाव आयोग जैसी

संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता भी इसी में है कि उसके निर्णयों, प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था पर जनता का भरोसा बना रहे।

इस आंदोलन के बीच यूट्यूबरों और स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारों की भूमिका विशेष रूप से ध्यान खींचती है। पहले समाचारों और राजनीतिक विमर्श पर मुख्यधारा के मीडिया संस्थानों का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव था, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया ने आम नागरिकों को भी अपनी बात व्यापक स्तर पर रखने का अवसर दिया है।

आज कोई युवा घटनास्थल से वीडियो साझा कर सकता है, किसी सरकारी दावे को पड़ताल कर सकता है और उन मुद्दों को सामने ला सकता है जिन्हें पर्याप्त जगह नहीं मिल रही हो। यह बदलाव लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारिता सत्ता से सवाल पूछने और जनता की समस्याओं को सामने लाने में उपयोगी हो सकती है। लेकिन हर यूट्यूबर स्वतः पत्रकार नहीं बन जाता। विश्वसनीय पत्रकारिता के लिए तथ्यों की पुष्टि, दोनों पक्षों को सुनना, स्रोतों की जांच करना और गलत सूचना फैलाने से बचना अनिवार्य हैं। वायरल होना और विश्वसनीय होना अलग-अलग बातें हैं। युवाओं की अपेक्षाएं बदल रही हैं। वे केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि उनके परिणाम भी

देखना चाहते हैं। वे जानना चाहते हैं कि रोजगार के अवसर कितने बढ़े, शिक्षा कितनी सुलभ हुई, सरकारी संस्थाओं में पारदर्शिता कितनी मजबूत हुई और उनकी समस्याओं पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई की गई। यह जरूरी नहीं कि आंदोलन में शामिल प्रत्येक युवा किसी एक राजनीतिक विचारधारा का समर्थक हो। कई बार असंतोष का कारण किसी दल के प्रति समर्थन या विरोध से अधिक अपने भविष्य को लेकर चिंता होती है।

सरकार के लिए यह अवसर है कि वह युवाओं की शिकायतों को सुने, उपलब्धियों के साथ कमियों पर भी स्पष्टता से बात करे और ठोस नीतिगत समाधान सामने रखे।

वोट चोरी के आरोपों से जुड़े आंदोलन का वास्तविक निष्कर्ष नारों, रैलियों या राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि तथ्यों, जांच और संस्थागत पारदर्शिता से निकलेगा। जंतर-मंतर पर प्रतिबंध हो या सड़कों पर विरोध, लोकतंत्र की असली परीक्षा इस बात में है कि असहमति के लिए कितनी जगह बची है और सवालों के जवाब कितनी ईमानदारी से दिए जाते हैं।

आखिरकार, लोकतंत्र केवल बहुमत से सरकार बनाने का नाम नहीं है। वह जनता के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिकों के सवाल पूछने के अधिकार से भी मजबूत होता है।

# फिर हवा खराब: प्रदूषण की लौटती समस्या और हमारी जिम्मेदारी

### बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएँ तथा पहले से हृदय या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोग विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्रदूषण के दिनों में खाँसी, आँखों में जलन, सांस लेने में परेशानी और अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं। इसका प्रभाव शिक्षा, कामकाज और जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। जब बच्चे खुले मैदान में खेलने से बचने लगे, बुजुर्ग सुबह की सैर न कर सकें और लोगों को सामान्य गतिविधियाँ सीमित करनी पड़ें, तो यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट बन जाता है।

**डॉ. विजय गर्ग** हवा जीवन का आधार है। मनुष्य भोजन के बिना कई दिन और पानी के बिना कुछ समय तक जीवित रह सकता है, लेकिन हवा के बिना कुछ मिनट भी जीवन की कल्पना करना कठिन है। इसके बावजूद विडंबना यह है कि जिस हवा पर हमारा अस्तित्व निर्भर है, उसी को हम अपनी गतिविधियों से लगातार प्रदूषित कर रहे हैं। हर वर्ष मौसम बदलने के साथ एक बार फिर समाचार सुनाई देने लगते हैं-हवा खराब हो गई है, वायु गुणवत्ता गिर रही है और लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। सवाल उठता है कि आखिर हर साल हवा खराब क्यों हो जाती है और हम इससे स्थायी मुक्ति क्यों नहीं पा रहे हैं? हर साल लौटता प्रदूषण का संकट भारत के अनेक शहरों, विशेषकर उत्तर भारत में, सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन जाता है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में धुंध, धुएँ और प्रदूषक कणों का मिश्रण वातावरण को प्रभावित करता है। पाराली जलाना इस समस्या का एक कारण है, लेकिन इसे ही संपूर्ण समस्या मान लेना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। वाहनों से निकलने वाला धुआँ, उद्योगों का उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल, कचरा जलाना, घरेलू ईंधन और बिजली उत्पादन से होने वाला प्रदूषण भी हवा की गुणवत्ता को

प्रभावित करते हैं। सर्दियों में हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ जाता है। इसलिए हवा की खराब गुणवत्ता किसी एक दिन, एक शहर या एक किसान की समस्या नहीं है। यह हमारी विकास व्यवस्था, ऊर्जा के उपयोग, परिवहन प्रणाली और पर्यावरण के प्रति हमारी सामूहिक लापरवाही से जुड़ी हुई चुनौती है। पाराली: समस्या और समाधान दोनों पर विचार जरूरी फसल कटाई के बाद खेतों में बची पाराली को जल्दी हटाने के लिए कुछ किसान उसे जला देते हैं। सीमित समय, अगली फसल की तैयारी, श्रम की लापर और मशीनों तक पहुंच जैसी समस्याएँ इस व्यवहार को बढ़ावा दे सकती हैं। पाराली जलने से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण में लेकिन किसानों को केवल दोषी ठहराने से समस्या हल नहीं होगी। उन्हें सस्ती मशीनें, समय पर सहायता, फसल अवशेष प्रबंधन के व्यावहारिक विकल्प और आर्थिक प्रोत्साहन उपलब्ध कराना आवश्यक है। पाराली से जैव-ईंधन, कम्पोस्ट, पशु-आहार के उपयुक्त विकल्प तथा औद्योगिक उपयोग की संभावनाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जहाँ वे तकनीकी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों।

किसानों को पर्यावरण संरक्षण का भागीदार बनाना होगा, न कि समस्या का अकेला जिम्मेदार। बच्चों और बुजुर्गों पर अधिक प्रभाव प्रदूषित हवा का प्रभाव केवल दिखाई देने वाली धुंध तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण, विशेषकर पीएम 2.5, फेफड़ों में गहराई तक पहुँच सकते हैं। लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने से हृदय और श्वसन संबंधी बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है। बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएँ तथा पहले से हृदय या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोग विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्रदूषण के दिनों में खाँसी, आँखों में जलन, सांस लेने में परेशानी और अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं। इसका प्रभाव शिक्षा, कामकाज और जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। जब बच्चे खुले मैदान में खेलने से बचने लगे, बुजुर्ग सुबह की सैर न कर सकें और लोगों को सामान्य गतिविधियाँ सीमित करनी पड़ें, तो यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट बन जाता है। केवल सलाह नहीं, ठोस कार्रवाई चाहिए वायु प्रदूषण के दौरान लोगों को मास्क पहनने, बाहर की गतिविधियाँ कम करने और सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। ये उपाय कुछ परिस्थितियों में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन इनसे प्रदूषण के मूल

कारण समाप्त नहीं होते।

सरकारों को प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करके नियमित निगरानी करनी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाना, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रित करना, कचरा खुले में जलाने पर प्रभावी रोक लगाना और औद्योगिक उत्सर्जन के नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

शहरों में केवल पौधे लगाने के अभियानों के बजाय मौजूदा पेड़ों और हरित क्षेत्रों की रक्षा भी जरूरी है। पेड़ पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक धुएँ और खुले में कचरा जलाने का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण कम करने के लिए स्रोत पर नियंत्रण सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक है। राज्यों के बीच समन्वय भी आवश्यक है, क्योंकि हवा प्रशासनिक सीमाओं को नहीं मानती। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और अन्य प्रभावित क्षेत्रों को साझा वैज्ञानिक जानकारी, बेहतर योजना और निरंतर कार्रवाई के आधार पर काम करना चाहिए।

नागरिक क्या कर सकते हैं? प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है। छोटी-छोटी आदतें मिलकर सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं।

- निजी वाहन के स्थान पर जहाँ संभव हो, सार्वजनिक परिवहन, साइकिल या साझा वाहन का उपयोग करें।

- कचरा, पत्तियाँ और कृषि अवशेष खुले में न जलाएँ।
- बिजली और ईंधन की अनावश्यक खपत कम करें।
- स्थानीय वायु गुणवत्ता सूचकांक की जानकारी रखें और प्रदूषण अधिक होने पर बाहरी गतिविधियों में सावधानी बरतें।
- बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन रोगियों की विशेष देखभाल करें।
- प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की सूचना संबंधित अधिकारियों को दें और पर्यावरण संबंधी जन-जागरूकता में भाग लें।

प्रदूषण अधिक होने पर अच्छी गुणवत्ता वाला, सही फिटिंग का एन95 या समकक्ष रेंस्पेक्टर सूक्ष्म कणों के संपर्क को कम करने में मदद कर सकता है। हालांकि, कोई भी मास्क सभी प्रदूषकों से पूर्ण सुरक्षा नहीं देता। सर्दी से पहले जागना होगा हर साल हवा खराब होने पर चिंता व्यक्त करना और कुछ दिनों बाद सब कुछ भूल जाना पर्याप्त नहीं है। यदि प्रदूषण के कारण हर वर्ष वही संकट लौटता है, तो इसका अर्थ है कि हमारे समाधान अभी पर्याप्त प्रभावी नहीं हैं। स्वच्छ हवा किसी विशेष वर्ग का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। इसे सुनिश्चित करना सरकार, उद्योग, किसानों और आम नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है।

# 1नवंबर को रामलीला मैदानमें उमड़ेगा जनसैलाब,रैलीमें शामिल होने के लिए हरियाणा में चल रही है युद्ध स्तर पर तैयारियां - दीपेन्द्र हुड्डा

**पलवल।** सांसद दीपेन्द्र हुड्डा के नेतृत्व में आज होडल-हसनपुर ब्लॉक में ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ अभियान के तहत डॉ. अंबेडकर भवन से होडल स्क्रूकार्यालय तक पैदल मार्च हुआ और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूँका गया। इस दौरान दीपेन्द्र हुड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवाहन पर ईंडिया गठबंधन द्वारा 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ महारैली की तैयारियों की समीक्षा की। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि देश भर में वोट चोरी का खेल करने वाली BJP ने हरियाणा में तो पूरी सरकार ही चोरी कर ली है। प्रदेश में जनभावना बदलाव की थी लेकिन बीजेपी ने चुनाव आयोग की मिलीभगत से प्रदेश में वोट चोरी करके सरकार बनाई है। उन्होंने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ महारैली के लिए न्योता देते कहा कि प्रजातन्त्र की रक्षा के लिए इस रैली में जरूर शामिल हों। लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई है। उन्होंने दावा किया कि 1 नवंबर को रामलीला मैदान में जनसैलाब उमड़ेगा, रैली में शामिल होने के लिए हरियाणा में युद्ध स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। उल्लेखनीय है कि दीपेन्द्र सिंह हुड्डा हरियाणा के कोने-कोने में जाकर रैली की तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा समेत हर प्रदेश में वोट चोरी का खेल चला। वोटों की



गिनती के दिन कांग्रेस पार्टी ने 90 में से 75 सीटों पर पोस्टल बैलेट में ऐतिहासिक जीत दर्ज की। लेकिन मशीन खुलते ही बीजेपी ने सरकार बना ली। 3 करोड़ आबादी वाले हरियाणा में कांग्रेस और बीजेपी के बीच मात्र 0.3% यानी 14000 वोटों का अंतर रहा। जबकि, हरियाणा का ये इतिहास रहा है कि जो पार्टी पोस्टल बैलट में आगे रहती है उसी की सरकार बनती है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि बीजेपी सरकार ने चुनाव के समय जनता से किये एक भी वादे को पूरा नहीं किया। भाजपा सरकार जनता का दिल जीतकर नहीं बनी अगर बीजेपी ने जनता का

दिल जीतकर सरकार बनायी होती तो अपने वायदे याद रखती। अब इनकी चोरी पकड़ी गई है। 3 में से 2 चुनाव आयुक्तों ने 10 महीने में 14 बार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के फैसलों का विरोध किया और कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त जिस प्रकार अकेले फैसले ले रहे हैं उससे चुनाव की जा पार्टी पोस्टल बैलट में आगे रहती है उसी की सरकार बनती है। उन्होंने कहा कि यही चिन्ट्री तब लिखी जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रेस वार्ता करके बताया कि हरियाणा में वोट चोरी हुई है। 3 में से 2 चुनाव आयुक्तों के रहस्योंद्वारतन के बाद स्पष्ट हो

गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हरियाणा चुनावों में बड़े स्तर पर धांधली कराई। दीपेन्द्र हुड्डा ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ रैली में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने का आवाहन किया। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने हरियाणा में बिजली विभाग ही बंद डाला। हरियाणा के सीएम और बिजली मंत्री ने गुड़गाँव की बिजली एक निजी कंपनी एलेवन पावर को दे दी, जहां से बिजली विभाग का सबसे ज्यादा राजस्व आता है। पूरे प्रदेश की बिजली गुल कर दी।

## कुरुक्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर मिलेगी बेहतर सुविधाएं

### विकास कार्यों में आएगी तेजी : पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा

**कुरुक्षेत्र:** हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) का डिवीजन कार्यालय कुरुक्षेत्र में स्थापित करने की मांग पूरी होने पर हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में एचएसवीपी का डिवीजन कार्यालय स्थापित होने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और स्थानीय निवासियों की समस्याओं का समाधान तेजी से हो सकेगा। यह निर्णय कुरुक्षेत्र के शहरी विकास को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष कुरुक्षेत्र में एचएसवीपी का डिवीजन कार्यालय स्थापित करने की मांग प्रमुखता से उठाई थी। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर क्षेत्र की आवश्यकताओं से अवगत करवाया था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में एचएसवीपी का डिवीजन कार्यालय अंबाला में स्थित था, जबकि कुरुक्षेत्र में इस डिवीजन के अंतर्गत आने वाले सेक्टरों की संख्या अंबाला की तुलना में काफी अधिक है। ऐसे में कुरुक्षेत्र के लोगों को अपने स्थानीय कार्यों और समस्याओं के समाधान के लिए अंबाला पर निर्भर रहना पड़ता था। कुरुक्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और यहां शहरी आबादी के साथ-साथ आवासीय सेक्टरों का भी विस्तार



हुआ है। ऐसे में शहर में एचएसवीपी का डिवीजन कार्यालय स्थापित करने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। कार्यालय दूर होने के कारण लोगों को अपनी शिकायतों, विकास कार्यों और अन्य प्रशासनिक मामलों के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता था। कुरुक्षेत्र में ही डिवीजन कार्यालय स्थापित होने से इन समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निपटारा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि एचएसवीपी का डिवीजन कार्यालय कुरुक्षेत्र में बनने से न केवल आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि विकास कार्यों की योजना बनाने, उनकी निगरानी करने और उन्हें समय पर पूरा करवाने में भी

सहायता मिलेगी। इससे अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ेगी और क्षेत्र के निवासियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अधिक प्रभावी व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। पूर्व राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार जनहित से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए लोगों की जरूरतों के अनुरूप निर्णय ले रही है। कुरुक्षेत्र में एचएसवीपी का डिवीजन कार्यालय स्थापित करने की मांग पूरी होना क्षेत्र के लोगों के हित में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस फैसले से कुरुक्षेत्र के शहरी विकास को और मजबूती मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

## महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत समानता, सहयोग

### और सामाजिक एकता के प्रतीक : विपुल गोयल

» राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर में महाराजा अग्रसेन जयंती पर आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत

**रेवाड़ी।** हरियाणा सरकार में राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के आदर्श समानता, अहिंसा, सामाजिक एकता और परस्पर सहयोग की प्रेरणा देते हैं। उनकी ‘एक ईंट-एक रुपया’ की परंपरा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सहयोग देने और जरूरतमंदों को सशक्त बनाने का संदेश देती है। लगभग पांच हजार वर्ष पहले महाराजा अग्रसेन द्वारा दिए गए मूलमंत्र आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं और भविष्य में भी समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। राजस्व मंत्री विपुल गोयल मंगलवार को इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर में महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में ‘आधुनिक युग में अग्रसेन का दर्शन : सामाजिक जिम्मेदारी से लेकर स्टार्टअप और पेशेवर उत्कृष्टता तक’ विषय पर आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष एवं सीपीएन के मेयर राजीव जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. असीम मिंगलानी, कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली और नगर परिषद की चेयरपर्सन विनीता पीपल भी विशेष रूप से मौजूद रहीं। मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि अग्रवाल समाज ने सदैव सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण के कुलपति प्रो. असीम मिंगलानी ने शिक्षा एवं शोध के माध्यम से महापुरुषों के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता सीए नवीन सिंगल ने सेमिनार के विषय पर विस्तार से विचार प्रस्तुत किए। महाराजा अग्रसेन पीठ की प्रभावी डॉ. ममता अग्रवाल ने पीठ की गतिविधियों और शोध कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर डीएमसी प्रदीप अहलावत, तहसीलदार रमन कुंडू, हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के सचिव दुर्गा दत्त गोयल, जिला अध्यक्ष बृजलाल गोयल, रिपुस्मन गुप्ता, अजय मित्तल सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सहायता मिलेगी और महाराजा अग्रसेन के जीवन, उनके विचारों तथा मानव कल्याण के लिए किए गए कार्यों से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने के नए अवसर मिलेंगे। **महाराजा अग्रसेन पीठ के शोधार्थियों को मिलेगी छत्रवृत्ति** - मंत्री ने विश्वविद्यालय में स्थापित महाराजा अग्रसेन पीठ की सहाजान करते हुए कहा कि इसके माध्यम से महाराजा अग्रसेन के विचारों और सिद्धांतों पर शोध को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने पीठ में शोध कार्यों के लिए आरक्षित पीएचडी सीट का लाभ बताते हुए शोध सीटों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया, ताकि उनके आदर्शों और योगदान को अधिक विस्तार से समाज तक पहुंचाया जा सके। इस अवसर पर उन्होंने महाराजा अग्रसेन पीठ के अंतर्गत शोध कार्य करने वाले शोधार्थियों की 15-15 हजार रुपये की छत्रवृत्ति देने की घोषणा की। साथ ही, समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान देने वाले समाजसेवियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंत्री विपुल गोयल ने विश्वविद्यालय में बनाई जा रही यज्ञशाला का भी अवलोकन किया। **अग्रसेन दर्शन पर विशेषज्ञों ने रखे विचार** - कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि राजीव जैन ने भी महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और सामाजिक एकता के महत्व पर विचार रखे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. असीम मिंगलानी ने शिक्षा एवं शोध के माध्यम से महापुरुषों के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता सीए नवीन सिंगल ने सेमिनार के विषय पर विस्तार से विचार प्रस्तुत किए। महाराजा अग्रसेन पीठ की प्रभावी डॉ. ममता अग्रवाल ने पीठ की गतिविधियों और शोध कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर डीएमसी प्रदीप अहलावत, तहसीलदार रमन कुंडू, हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के सचिव दुर्गा दत्त गोयल, जिला अध्यक्ष बृजलाल गोयल, रिपुस्मन गुप्ता, अजय मित्तल सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

» एक नवंबर को दिल्ली में होने वाली कांग्रेस की महारैली में शामिल होने की अपील

## लोकतंत्र और वोट के अधिकार की रक्षा के लिए रामलीला मैदान पहुंचे लोग-मुस्लिम चौहान

**सुरेन्द्र पांचाल भेदी नजर धरौंडा:**राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश सचिव मुस्लिम चौहान ने लोगों से एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली कांग्रेस की महारैली में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह महारैली लोकतंत्र, संविधान और आम जनता के वोट के अधिकार की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

मुस्लिम चौहान ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का वोट सबसे बड़ी ताकत है। इसी के जरिए लोग अपनी सरकार चुनते हैं और देश के भविष्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। इसलिए जरूरी है कि



मतदाता सूची पारदर्शी हो और प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रेसआईआर) को लेकर लोगों के मन में उठ रही चिंताओं का निष्पक्ष समाधान होना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से सूची से न कटे और कोई भी नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। मुस्लिम चौहान ने कहा कि कांग्रेस की यह महारैली संविधान की रक्षा, निष्पक्ष चुनाव और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता के मुद्दों पर जनता की आवाज बुलंद करने का अवसर है। उन्होंने

युवाओं, किसानों, मजदूरों और सामाजिक संगठनों सहित सभी लोकतंत्र समर्थक लोगों से महारैली में शामिल होने की अपील की।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है। यह लड़ाई किसी व्यक्ति या समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए है। मुस्लिम चौहान ने कहा कि सभी लोग 1 नवंबर को रामलीला मैदान पहुंचकर लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करें। जनता का वोट सुरक्षित रहेगा, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा।

## कनीना ब्लॉक के गांवों में धर्मसेना के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित चौधरी ने किया जनसंपर्क

### ● पिता के सांसद निधि से जारी राशि व विकास कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया

**कनीना सुनील दीक्षित** धर्मसेना के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित चौधरी ने मंगलवार को कनीना ब्लॉक के विभिन्न गांवों का सघन दौरा कर जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित कर स्थानीय समस्याओं को सुना और अपने पिता भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह हुड्डा क्षेत्र के विकास के लिए पिछले 12 वर्ष के दौरान जारी की गई ग्रांट का ब्योरा भी ग्रामीणों के समक्ष रखा। उनके जनसंपर्क अभियान की शुरुआत सुबह 9 बजे गुड्डा गांव से हुई। जहां ग्रामीणों ने उनका गर्म जोशी के साथ फूलमालाओं और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं के निदान का भरोसा दिलाया। इसके उपरांत मोहित चौधरी क्रमशः केमला, खरकड़ा बास, धनौदा, झाड़ली, छितरोली, उन्हानी, चेलावास होते हुए शाम को रसूलपुर पहुंचे। प्रत्येक गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों व युवाओं ने उनका फूल-मालाओं और पगड़ी पहनाकर जोरदार स्वागत किया। नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए मोहित चौधरी ने सांसद अपने पिता चौधरी धर्मबीर के संसदीय कोष से गांवों के लिए स्वीकृत एवं बेतया गई विकास राशि का पूरा ब्योरा सभा पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि सांसद क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और कनीना ब्लॉक के किसी भी गांव को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। सभा के दौरान ग्रामीणों ने मुख्य रूप से पेयजल किल्लत, टूटी सड़कें, जल



निकासी,खेल स्टेडियम, बिजली आपूर्ति जैसी मूलभूत समस्याएं उनके समक्ष रखीं। मोहित चौधरी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी हर समस्या का तत्परात से समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल औपचारिकता निभाना नहीं, बल्कि जनता और शासन-प्रशासन के बीच सेतु बनकर हर अंतिम व्यक्ति तक विकास

## धान की पराली जलाने की घटनाओं पर झोन से रखी जाएगी निगरानी:

### उपायुक्त डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर

» जिले के हसनपुर, होडल व पलवल खंड के 13 गांवों के कृषि क्षेत्रों पर रहेगी विशेष नजर

**पलवल।** उपायुक्त डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने बताया कि जिला पलवल में धान की फसल के अवशेष (पराली) जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने तथा वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा झोन के माध्यम से कृषि क्षेत्रों की निगरानी की जाएगी। इसके तहत जिले के हसनपुर, होडल एवं पलवल खंड के 13 गांवों में विशेष निगरानी रखी जाएगी, ताकि पराली जलाने की संभावित घटनाओं की समय रहते पहचान कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा सके। इस अभियान के तहत खंड हसनपुर के गांव खांबी, हसनपुर, महोली एवं लिखी, खंड होडल के गांव भिड़ूकी, पालरी, भुलवाना तथा खंड पलवल के गांव जनौली, मांदकोल, मौसा, किठवाड़ी व घोड़ी सहित संबंधित कृषि क्षेत्रों की झोन के माध्यम से निगरानी की जाएगी। उपायुक्त डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने और पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। संबंधित विभागों के माध्यम से किसानों को फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन तथा पराली न जलाने के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। उपायुक्त ने किसानों से आह्वान करते हुए कहा कि वे धान की पराली में आग न लगाएं और फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए उपलब्ध कृषि यंत्रों एवं बैकल्पिक तकनीकों का उपयोग करें। पराली जलाने से वायु गुणवत्ता प्रभावित होती है तथा मिट्टी की उर्वरता को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। किसानों से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने और फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है।

### एमबीबीएस छात्रों के लिए नई बॉन्ड

### पॉलिसी, 5 साल की सरकारी सेवा की शर्त

» बैंक, छात्र और सरकार के बीच होगा त्रिपक्षीय अनुबंध, सरकार चुकाएगी लोन

**कनीना सुनील दीक्षित** हरियाणा सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग ने राज्य के सरकारी और सहायता प्राप्त मेडिकल कॉलेजों से एमबीबीएस करने वाले डॉक्टरों के लिए नई सर्विस इंसेंटिव बॉन्ड पॉलिसी की अधिसूचना जारी की है। इस नीति का प्राथमिक उद्देश्य राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना और सार्वजनिक अस्पतालों में योग्य डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। देखा जाए तो यह नीति सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2020-21 से तथा महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा में सत्र 2022-23 से प्रवेश लेने वाले छात्रों पर प्रभावी होगी। एनआरआई कोटे के छात्रों को इससे बाहर रखा गया है। सरकारी कॉलेजों में कुल एमबीबीएस फीस 4,22,910 तथा सहायता प्राप्त कॉलेजों में 8,10,000 रुपए निर्धारित की गई है। 30 लाख में से वार्षिक शुल्क घटाकर बॉन्ड राशि तय की गई है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पुरुष छात्रों के लिए बॉन्ड राशि 25,77,090 तथा सहायता प्राप्त कॉलेजों के लिए 21,90,000 रखी गई है। महिला छात्रों को प्रोत्साहन देते हुए बॉन्ड राशि में 10 प्रतिशत की विशेष छूट दी गई है, जिसके तहत उन्हें क्रमशः 23,19,381 और 19,71,000 का बांड भरना होगा। कोलेटरल-फ्री एजुकेशन लोन, बॉन्ड बिना किसी गारंटी के एजुकेशन लोन के रूप में बैंक, छात्र और सरकार के बीच त्रिपक्षीय अनुबंध के जरिए होगा। एमबीबीएस पूरी होने के बाद बॉन्ड की अवधि कुल 5 वर्ष होगी। यदि छात्र सरकारी सेवा, नियमित या सविदात्मक का विकल्प चुनता है, तो लोन की मूल राशि और ब्याज की किस्तों का भुगतान सीधे सरकार द्वारा किया जाएगा। पीजी की अनुमति, छात्रों को देश के किसी भी संस्थान से पीजी करने की अनुमति होगी। पीजी की अवधि (2 या 3 वर्ष) कुल 5 वर्ष के बॉन्ड कार्यकाल में से घटा दी जाएगी। कोर्स पूरा होने पर प्रोविजनल डिग्री मिलेगी, जबकि मूल डिग्री बॉन्ड अवधि पूरी होने या राशि चुकाने के बाद ही जारी की जाएगी।

# सभी ग्राम पंचायतों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित करें अधिकारी: रविन्द्र जागलान



बल्लभगढ़ में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा बैठक आयोजित, गांवों को स्वच्छ बनाने पर मंथन

**फरीदाबाद।** राज्य स्तरीय टास्क फोर्स, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, हरियाणा के वाईस चैयरमेन रविन्द्र जागलान द्वारा खण्ड कार्यालय बल्लभगढ़ में संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ गत दिवस स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि सभी गांव साफ-सुथरे दिखाई दे। इस कार्य में गांव के युवाओं के युवा गुप्तो को स्वच्छता के कार्यों में हिस्सा लेने के लिए जागरूक करने के साथ-साथ प्रोत्साहित भी किया

जाए। इस अवसर पर उन्होंने एस.डी.ओ., पंचायती राज को निर्देशित किया कि वह ग्रे-वाटर मैनेजमेंट के तहत तैयार किए जा रहे तालाबों के पानी री-यूज के मॉडल तैयार करें एवं इन तालाबों में मत्स्य विभाग मछली पालन के लिए ग्राम पंचायतों को मोटीवेट करे ताकि ग्राम पंचायतों में आय के साधनों में वृद्धि हो सके। स्वास्थ्य विभाग मेडिकल वेस्ट के उचित प्रबंधन की व्यवस्था एवं उसका रिकार्ड मैनेजमेंट करे। कृषि विभाग किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करें, महिला एवं बाल विकास विभाग खण्ड विकास एवं पंचायत

अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सभी आगनवाडी केन्द्रों पर शौचालय की व्यवस्था तथा उनका रख-रखाव सुनिश्चित करें। इस अवसर बल्लभगढ़ खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी अंशू डारग, फरीदाबाद खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रियंका, तिगांव खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी आरती, एस.डी.ओ. पंचायती राज विभाग विक्की, उपेन्द्र सिंह डी.पी.एम स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी / कर्मचारी भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

## फरीदाबाद पुलिस ने वाहन चोर गैंग का किया भंडाफोड़, 5 मोटरसाइकिल बरामद:पुलिस प्रवक्ता

**फरीदाबाद:**। भेदी नजर,सुनील कुमार जांगड़ा, फरीदाबाद पुलिस द्वारा वाहन चोरों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने एक वाहन चोरी की गैंग का भंडाफोड़ करते हुए उसके दो सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है साथ ही चोरी की मोटरसाइकिल खरीदने वाले एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। गैंग के सदस्यों की पहचान मोहित व सुमित वासी गांव मेवला महाराजपुर फरीदाबाद के रूप में हुई है। चोरी की मोटरसाइकिल खरीदने वाला अनुराग भी मेवला महाराजपुर का रहने वाला है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार निरीक्षक अनिल, प्रभारी अपराध शाखा एनआईटी के नेतृत्व में एएसआई कुलदीप, हेड कांस्टेबल हरपाल, संदीप, कांस्टेबल सुमित व राहुल की टीम ने थाना सेक्टर-31 क्षेत्र के अंतर्गत एक



मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए 22 अक्टूबर को मोहित वासी गांव मेवला महाराजपुर को गिरफ्तार किया था। उन्होंने आगे बताया

कि टीम द्वारा मोहित को 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में सामने आया कि उसने अपने साथी सुमित के साथ मिलकर

मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देता था तथा चोरी की मोटरसाइकिल को 8000 रुपये में अनुराग को बेच दिया। जिस पर कार्रवाई करते हुए क्राईम ब्रांच की टीम ने उसके साथी सुमित व चोरी की मोटरसाइकिल खरीदने वाले अनुराग को भी गिरफ्तार कर लिया है। अनुराग से एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। मोहित व सुमित की पूछताछ में अन्य स्थानों से भी वाहन चोरी करने का बात सामने आई। पुलिस जांच के दौरान आरोपितों से थाना कोतवाली के 2, सेक्टर 17 व एसजीएम नगर के एक-एक मोटरसाइकिल चोरी करने का खुलासा हुआ। अपराध शाखा की टीम ने उनकी निशानदेही पर मेवला महाराजपुर से 4 और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं। तीनों आरोपितों को आज माननीय न्यायलय में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

### फरीदाबाद में कैब ड्राइवर कामर्डर, कार के अंदर डेड बॉडी मिलने से मचा हड़कंप

**फरीदाबाद, एजेंसी।** हरियाणा के फरीदाबाद से एक सनसनीखेज खबर निकलकर सामने आई है। यहां सेक्टर-77 में कैब ड्राइवर की हत्या का मामला सामने आया है। गाड़ी की ड्राइवर सीट पर मृत अवस्था शव पड़ा मिला है। मिली जानकारी के अनुसार, चरखू सोसायटी निवासी प्रकाश कुमार के रूप में हुई है। रस्सी से गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। मृतक के गले पर रस्सी से दबाने के निशान मिले हैं। सुबह 7 बजे स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू की। मृतक के परिजनों को भी घटना की सूचना दी गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई।

#### सोनीपत में इंसानियत शर्मसार:

### पहले मां को घर से निकाला, फिर भाई को भेजा खेत, पिता ने अपनी बेटी को बनाया हवस का शिकार

**गन्नौर, एजेंसी।** बड़ी थाना क्षेत्र से एक इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक युवती ने अपने ही पिता पर दुष्कर्म करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़िता ने बताया कि 23 अक्टूबर को आरोपी पिता ने पहले उसकी मां के साथ मारपीट की और उन्हें जबरन घर से निकाल दिया। इसके बाद आरोपी ने युवती के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। जब युवती ने विरोध किया, तो आरोपी पिता ने उसके भाई को किसी काम के बहाने खेत में भेज दिया और पीछे से बेटी के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने शोर मचाने की कोशिश की, तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। युवती ने यह भी खुलासा किया कि उसका पिता अक्सर उसकी मां के साथ मारपीट और उत्पीड़न करता रहता है। मामले की जांच कर रही महिला उपनिरीक्षक शर्मीला ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी पिता के खिलाफ दुष्कर्म, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने सहित संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

### हरियाणा के सोनीपत में भयानक हादसे में महिला समेत 3 की मौत, बड़वासनी गांव के पास हुआ ब्रेजा गाड़ी का एक्सीडेंट

**सोनीपत, एजेंसी।** सोनीपत में दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा बड़वासनी गांव से कुछ आगे हुआ, जहां ब्रेजा गाड़ी में सवार होकर तीनों गोहाना की तरफ सीएनजी डलवाने जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, तीनों ब्रेजा गाड़ी में सवार होकर गोहाना की तरफ सीएनजी डलवाने जा रहे थे गांव बड़वासनी से कुछ आगे उनकी गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे में तेजवीर, कृष्ण और स्वीटी की मौत हो गई। मृतक तेजवीर और कृष्ण निवासी बड़वासनी गांव के रहने वाले थे, जबकि स्वीटी दिल्ली के नजफगढ़ की निवासी बताई जा रही है। वहीं इस हादसे की जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता रवींद्र कुमार ने बताया कि बड़वासनी गांव के पास हुए सड़क हादसे में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हुई है। मृतकों की पहचान तेजवीर और कृष्ण निवासी बड़वासनी गांव तथा स्वीटी निवासी नजफगढ़, दिल्ली के रूप में बताई गई है। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## बहादुरगढ़ में पटाखों के अवैध कारोबार का खुलासा, पुलिस ने दो फैक्ट्रियों व एक गोदाम पर मारा छापा

**बहादुरगढ़, एजेंसी।** दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण, बिक्री और भंडारण पर प्रतिबंध के कड़े पुलिस ने देर रात बहादुरगढ़



के गांव सोलधा में बड़ी कार्रवाई की। सीआईए और सदर थाना पुलिस की संयुक्त टीमों ने दो फैक्ट्रियों और एक गोदाम पर छापेमारी कर भारी मात्रा में तैयार व अर्धनिर्मित पटाखे, बारूद और अन्य सामान बरामद किया। देर रात तक पुलिस बरामद सामान की गिनती करने और फैक्ट्री मालिक के संबंध में जानकारी जुटाने में लगी

काम किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान तीनों स्थानों पर पटाखों की बड़ी संख्या में पेटियां मिलीं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, इन पटाखों की दिवाली के दौरान बाजारों में सप्लाई की जानी थी, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने छपा मार दिया। बताया जा रहा है

कि दोनों फैक्ट्रियों और गोदाम एक ही व्यक्ति के हैं। हालांकि, यहां कब से पटाखे बनाने और भंडारण का काम चल रहा था तथा इस अवैध कारोबार में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच की जा रही है। बरामद पटाखों और बारूद की वास्तविक मात्रा के संबंध में पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच जारी है और नियमानुसार बहादुरगढ़ के सदर थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की गयी है। गौरतलब है कि दीपावली के दौरान आतिशबाजी के कारण दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ने की आशंका रहती है। इससे लोगों के स्वास्थ्य, विशेषकर सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसी के मद्देनजर अवैध रूप से पटाखों के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

## पीड़ित ने खुद गढ़ी मनगढ़ंत कहानी, पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा

**पानीपत, एजेंसी।** शहर के सेक्टर 11-12 में लूट की एक वारदात खबर सामने आई थी। लूट की वारदात की कहानी झूठी निकली। मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा हुआ है। डीएसपी प्रदीप यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि वारदात के समय पीड़ित के पास 3 लाख थे जो की मौके से बरामद हो गए थे। झगड़े को लूट का रूप देने के लिए पीड़ित ने मनगढ़ंत कहानी बनाई। फिलहाल पीड़ित द्वारा अभी मामले की कोई शिकायत नहीं दी गई है। पीड़ित सौरभ के मुताबिक, वह शाम करीब 7 बजे ऑफिस का काम खत्म करने के बाद घर लौट रहा था। जैसे ही वह अपनी कार के पास पहुंचा, तभी 8 से 10 बंदमाशों ने उस पर लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सौरभ घायल हो गया। इसके बाद बंदमाश नकदी लेकर मौके से फरार हो गए। सौरभ ने बताया कि उसके पास दो पॉलीथिन में करीब 8 लाख रुपये थे। एक पॉलीथिन में लगभग 5 लाख रुपये और दूसरी में करीब 3 लाख रुपये रखे हुए थे। बंदमाश 5 लाख रुपये वाली पॉलीथिन लेकर फरार हो गए, जबकि दूसरी पॉलीथिन कार के नीचे गिर गई। वारदात के बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। इसके बाद आरोपी कार में सवार होकर फरार हो गए। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस प्रवक्ता सुभाष ने बताया कि मामले में हर पहलू से जांच की जा रही है। पानीपत पुलिस की तीनों सीआईए टीमों आरोपियों की तलाश में जुटी हैं और अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भी मामले की जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। डीएसपी प्रदीप यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि वारदात के समय पीड़ित के पास 3 लाख थे जो की मौके से बरामद हो गए थे। झगड़े को लूट का रूप देने के लिए पीड़ित ने मनगढ़ंत कहानी बनाई।

## स्टे के बावजूद जमीन का इंतकाल किया दर्ज, नायब तहसीलदार

#### कानूनगो और पटवारी पर केस दर्ज

**जौद, एजेंसी।** जमीन का विवाद एस.डी.एम. और कमिश्नर कोर्ट में लंबित होने तथा इंतकाल दर्ज न करने के स्थगन आदेश के बावजूद जमीन का इंतकाल दर्ज करने के मामले में पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने तत्कालीन नायब तहसीलदार, कानूनगो व हलका पटवारी के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह मामला 25 सितम्बर को खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम की अध्यक्षता में हुई जिला ग्रीव्स कमिटी की बैठक में भी उठाया गया था। इसके बाद मंत्री ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। बाद में आर्थिक अपराध शाखा की जांच के आधार पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया। आरोपों की पुष्टि और मामले में आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों पर निर्भर करेगी। शिकायतकर्ता लाभ सिंह निवासी रजाना खुर्द के अनुसार गांव में 3 भाइयों

बादल सिंह, कर्ण सिंह और दलबीर के हिस्से में कुल 33 एकड़ जमीन है। जमीन की खेवट और खाता संख्या अलग किए जाने की लेकर विवाद हुआ जिसके बाद कर्ण सिंह के बेटे लाभ सिंह ने आपत्ति जताते हुए मामला अदालत में 'पहुंचाया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इंतकाल दर्ज करने का मामला एस.डी.एम. सफ़ीदों और हिसार के कमिश्नर न्यायालय में लंबित था। कमिश्नर न्यायालय की ओर से इंतकाल दर्ज न करने का स्थगन आदेश भी दिया गया था। इसके बावजूद 9 जुलाई, 2025 को जौद-सफ़ीदों मार्ग के साथ लगती 3 एकड़ जमीन का इंतकाल बादल सिंह के नाम दर्ज कर दिया गया। आरोप है कि पटवारी ने इसकी ऑनलाइन राजस्व रिकॉर्ड में भी प्रविष्टि कर दी। लाभ सिंह के अनुसार संबंधित जमीन की खेवट संख्या पहले 285 थी। वर्ष 2024-25 में इसे बदलकर खेवट संख्या 319 और 320 कर दिया गया।



शिकायतकर्ता का दावा है कि खेवट संख्या 319 बादल सिंह और 320 उनके पिता कर्ण सिंह के नाम बनाई गई।

इसी प्रक्रिया और जमीन के इंतकाल को लेकर उन्होंने आपत्ति जताई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि मामले में

कमिश्नर न्यायालय में अगली सुनवाई 4 नवम्बर और एस. डी. एम. न्यायालय में 11 नवम्बर को निर्धारित है।

## मंत्री अनिल विज के पास पहुंची किराया बढ़ाने की मांग, कभी भी फैसला संभव

#### हरियाणा में महंगा हो सकता है बस का सफर!

**चंडीगढ़, एजेंसी।** हरियाणा में स्ट्रेज कैरिज ट्रांसपोर्ट सोसायटीज एवं प्राइवेट बस ऑपरेटर्स वैल्फेयर एसोसिएशन ने राज्य सरकार से स्ट्रेज कैरिज बसों का किराया उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और बढ़ती परिचालन लागत के अनुरूप तत्काल संशोधित करने की मांग की है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने समय रहते निर्णय नहीं लिया, तो आर्थिक नुकसान के चलते करीब 2,000 बसों के ऑपरेटर परिवहन मंत्री अनिल विज को बसों की चाबियां और परमिट सौंपने के लिए मजबूर हो सकते हैं। एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष डा. धन सिंह ने कहा कि 15 मई, 2020 से यात्री किराये में कोई संशोधन नहीं हुआ है, जबकि

इस दौरान डीजल, बीमा प्रीमियम, कर्मचारियों के वेतन, टायर, स्पेयर पार्ट्स और मरम्मत की लागत लगातार बढ़ी है। किराया निर्धारण महंगाई और वास्तविक परिचालन खर्च के वस्तुनिष्ठ कहा कि भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं आर्थिक व्यवहार्यता और किराया निर्धारण संबंधी रिपोर्टों एवं मार्गदर्शन में भी समय-समय आकलन के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने राजमार्ग मंत्रालय की सार्वजनिक परिवहन की पर किराये की समीक्षा की जरूरत पर जोर दिया गया है, ताकि परिवहन संचालकों पर असहनीय आर्थिक बोझ न पड़े। एसोसिएशन ने वर्ष 1993 में निर्धारित 22 पैसे प्रति किलोमीटर की दर का उल्लेख करते

हुए करीब 2 रुपये प्रति किलोमीटर की प्रस्तावित दर पर विचार करने की मांग की है। एसोसिएशन के अनुसार, इस दर को लागू करने से पहले आधिकारिक आंकड़ों और उचित गणना पद्धति के आधार पर इसकी पुष्टि की जानी चाहिए। साथ ही, महंगाई, ईंधन की कीमतों और अन्य प्रमुख खर्चों के आधार पर हर साल किराये में संशोधन की पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाए। डा. धन सिंह ने कहा कि न्यूनतम वेतन, टोल शुल्क, बीमा और बसों के रखरखाव का खर्च लगातार बढ़ रहा है, लेकिन यात्री किराया वर्षों से स्थिर है। इससे आय और खर्च के बीच अंतर बढ़ रहा है और बस संचालन आर्थिक रूप से अवा्यवहारिक होता जा रहा है।

### रेवाड़ी-नारनौल एनएच पर कुंड चौकी के पास हादसा, ट्रक-बाइक की भिड़ंत में सिक्योरिटी गार्ड की मौत

**रेवाड़ी, एजेंसी।** रेवाड़ी-नारनौल राष्ट्रीय राजमार्ग-11 पर शनिवार को कुंड बस स्टैंड के पास ट्रक और बाइक की टक्कर में अहरोद निवासी टिंकू की मौत हो गई। वह बावल स्थित एक कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत थे और इयूटी पूरी कर बाइक से घर लौट रहे थे। हादसे के बाद गुरूसार् एग्रीमीणों ने हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे दोनों तरफ यातायात प्रभावित हुआ। स्थानीय निवासियों के अनुसार, ट्रक चालक हाईवे पर बने फ्लाईओवर के ऊपर ट्रक को पीछे कर रहा था। इसी दौरान रेवाड़ी की ओर से आ रहे बाइक सवार टिंकू की बाइक ट्रक से टकरा गई। मौके पर मौजूद लोगों ने हादसे के लिए ट्रक चालक की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। कुछ लोगों ने चालक के शराब के नशे में होने का आरोप भी लगाया, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हादसे में टिंकू की मौत की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और हाईवे के दोनों तरफ जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने मांग की कि ट्रक चालक का मेडिकल परीक्षण कराया जाए। उनका कहना था कि मेडिकल जांच के बाद ही जाम खोला जाएगा। सूचना मिलने पर कुंड चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। करीब एक घंटे तक पुलिस और ग्रामीणों के बीच बातचीत चली। पुलिस की ओर से मेडिकल परीक्षण कराने का आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने जाम खोल दिया। इस दौरान हाईवे पर करीब पांच किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लगी गईं और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल, रेवाड़ी भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



#### करनाल, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश से सरसा धान लाकर हरियाणा के किसानों के नाम और पोर्टल का दुरुपयोग कर सरकारी खरीद में खपाने वाले गिरोह पर प्रशासन का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। इंद्री में आढ़ती के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद अब घरोड़ा की नई अनाज मंडी में संदिग्ध कार्रवाई की है। थाना घरोड़ा में गांव बल्लाह निवासी कृष्ण और मंडी स्थित फर्म 'मैसर्स भीम सिंह संस' के प्रोपराइटर अमित मान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

गई है कि हरियाणा सरकार के 'मेरी फसल-मेरा ब्योरा' पोर्टल पर पंजीकृत स्थानीय किसानों के विवरण और डेटा का गलत इस्तेमाल कर यूपी से लाए गए धान को ई-खरीद सिस्टम में खपाने की साजिश रची जा रही थी। मार्केट कमिटी घरोड़ा के सचिव सुनील कुमार की शिकायत पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कार्रवाई की है। धान घरोड़ा में गांव बल्लाह निवासी कृष्ण और मंडी स्थित फर्म 'मैसर्स भीम सिंह संस' के प्रोपराइटर अमित मान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।



### उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अग्रवाल ने की राज्यपाल श्री बागडे से शिष्टाचार भेंट

**जयपुर, एजेंसी।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से सोमवार को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार अग्रवाल ने लोकभवन पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर संवाद किया। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

### 20 लाख फॉलोअर्स वाले यूट्यूबर को सरपंच चुनाव में मिले सिर्फ 33 वोट, हार बनी चर्चा का विषय

**जोधपुर, एजेंसी।** सोशल मीडिया पर करीब 20 लाख फॉलोअर्स रखने वाले यूट्यूबर ओमप्रकाश बिरनौई को सरपंच चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा। ओसियां क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले ओमप्रकाश को महज 33 वोट मिले। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोगों से जुड़ाव रखने वाले इम्फ्लुएंसर को इतने कम वोट मिलने से उनकी हार चर्चा का विषय बन गई है।

चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ओमप्रकाश की भावुक पोस्ट भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस चुनाव ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता क्या वास्तव में चुनावी समर्थन में बदल पाती है?

### वीबी-जी राम जी योजना की समीक्षा बैठक, मुख्य सचिव ने समय पर भुगतान एवं लंबित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश

**जयपुर, एजेंसी।** मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय स्थित सभागार में वीबी-जी राम जी योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के अंतर्गत भुगतान की स्थिति एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। उन्होंने योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने, दैनिक उपस्थिति एवं भुगतान की स्थिति पर नजर रखने तथा लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने और विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में वीबी-जी राम जी योजना की आयुक्त श्रीमती पुष्पा सत्यानी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

### शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस की सख्ती, 271 चालकों के खिलाफ कार्रवाई

**जयपुर।** पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशन में जयपुर पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। 23 अक्टूबर से शुरू किए गए इस अभियान के तहत आयुक्तालय के चारों जिलों में नानाकंढी कर वाहन चालकों की जांच की जा रही है। इस अभियान के तहत पिछले 24 घंटे में शराब पीकर वाहन चलाने पर कुल 271 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इनमें जयपुर पूर्व जिले में 74, पश्चिम जिले में 37, उत्तर जिले में 25, दक्षिण जिले में 33 तथा यातायात पुलिस द्वारा 102 कार्रवाई की गई। वहीं, 23 अक्टूबर से जारी इस विशेष अभियान के दौरान अब तक कुल 557 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है। इनमें जयपुर पूर्व जिले में 112, पश्चिम जिले में 85, उत्तर जिले में 64, दक्षिण जिले में 68 तथा यातायात पुलिस द्वारा 228 कार्रवाई की गई हैं। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाना कानूनन अपराध है। इससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है और वाहन चालक के साथ-साथ अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने तथा सड़क सुरक्षा बनाए रखने के लिए जयपुर पुलिस द्वारा इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

### मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में ऑनलाईन आवेदन अब 5 नवम्बर तक

**जयपुर, एजेंसी।** मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के द्वारा विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स एवं सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं की उत्कृष्ट तैयारी एवं समान अवसर प्रदान करने के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने ऑनलाईन पोर्टल पर सूचीबद्ध कोचिंग संस्थानों में निःशुल्क कोचिंग करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से वर्ष 2026-27 के लिए ऑनलाईन आवेदन की अंतिम दिनांक 5 नवम्बर निर्धारित कर दी है। विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव ललित कुमार ने बताया कि निःशुल्क कोचिंग करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों के हित में तारीख बढ़ाई गई है जिससे अधिकतम जरूरतमन्द अभ्यर्थियों को सुविधा है।

### लक्ष्मी-गणेश सिक्कों और छोटे ग्राम नोटों से गुलजार सर्राफा बाजार, पहली बार लिफाफे सहित लॉन्च

**जयपुर।** दिवाली के अवसर पर सर्राफा बाजार में चांदी के नए नोट और सिक्कों ने खासी हलचल मचा दी है। सर्राफा ट्रेडर्स कमिटी ने पहली बार एक, दो और पांच ग्राम के चांदी के नोट लिफाफे सहित लॉन्च किए हैं। साथ ही पांच, दस, बीस, पचास, सौ ग्राम के नोट तथा पचास ग्राम, ढाई सौ ग्राम और एक किलो के गोल सिक्के भी लक्ष्मी-गणेश के आकर्षक चित्रों के साथ बाजार में उतारे गए हैं।

# सूखा संभावित जिलों में पेयजल एवं चारे की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित करें : वी. श्रीनिवास

**जयपुर, एजेंसी।** मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में कमेटी ऑफ सेक्रेटरीज (सीओएस) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने मिशन कर्मयोगी, प्रक्रियाधीन भर्तियों, विभागीय स्कीमेटिक योजनाओं, बजट घोषणाओं की प्रगति, राजकाज पोर्टल पर फाइलों के निस्तारण, राजस्थान संपर्क पोर्टल तथा संभावित सूखा प्रभावित क्षेत्रों में राहत प्रबंधन की विभागावार विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

### भर्तियों की समीक्षा एवं आगामी रोजगार मेले की तैयारी

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और 5 वर्षों में 4 लाख भर्तियां करने के संकल्प के साथ कार्य किया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 11 रोजगार मेलों एवं विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं के माध्यम से 1 लाख 90 हजार 894 पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी है। इसके अलावा लगभग 1 लाख 10



हजार पदों पर भर्ती की कार्रवाई विभिन्न स्तरों पर प्रक्रियाधीन है, जिनमें से 45 हजार 645 पदों पर आगामी समय में नियुक्तियां दी जानी संभावित है।

मुख्य सचिव ने आगामी रोजगार मेले में दी जाने वाली नियुक्तियों से संबंधित सूचनाएं शीघ्र अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रक्रियाधीन भर्तियों में तेजी लाने के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड से प्रभावी समन्वय स्थापित करने तथा न्यायालय में लंबित प्रकरणों में मजबूत पैरवी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही आगामी वर्ष के भर्ती परीक्षा कैलेंडर के लिए सभी विभागों

को रिक्त पदों की गणना कर शीघ्र अर्थना भिजवाने के निर्देश दिए।

### बजट घोषणाओं एवं स्कीमेटिक योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन-

बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-26 एवं 2026-27 की बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने शेष लंबित घोषणाओं तथा जिन घोषणाओं की स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं, उनके कार्य शीघ्र धरातल पर उतारने के निर्देश दिए।

विभागीय स्कीमेटिक योजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने

कहा कि राज्य में वित्तीय वर्ष 2026-27 में सितंबर माह के अंत तक स्कीमेटिक बजट के विरुद्ध 1 लाख 1 हजार 969.52 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। यह गत वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में हुए 87 हजार 695.12 करोड़ रुपये के व्यय की तुलना में 16.28 प्रतिशत अधिक है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने अधिकारियों को स्वीकृत राशि के समयबद्ध उपयोग के लिए स्वयं के स्तर पर नियमित समीक्षा करने तथा केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों से निरंतर समन्वय बनाकर योजनाओं को गति देने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में वित्तीय वर्ष 2026-27 में सितंबर माह के अंत तक स्कीमेटिक बजट के विरुद्ध 1 लाख 1 हजार 969.52 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। यह गत वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में हुए 87 हजार 695.12 करोड़ रुपये के व्यय की तुलना में 16.28 प्रतिशत अधिक है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने अधिकारियों को स्वीकृत राशि के समयबद्ध उपयोग के लिए स्वयं के स्तर पर नियमित समीक्षा करने तथा केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों से निरंतर समन्वय बनाकर योजनाओं को गति देने के निर्देश दिए।

## सियासत की रार, चौमूं हाउस पर तकरार : खड़गे के बिगड़े बोल पर जयपुर में बरपा भाजपाई गुस्सा, बैरिकेड्स पर तनातनी



ऐलान किया था। तय योजना के तहत महिला मोर्चा, भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), एससी मोर्चा और प्रदेश पदाधिकारियों का जय्था प्रदेश भाजपा मुख्यालय से कांग्रेस दफ्तर का घेराव करने के इरादे से निकला। चौमूं हाउस सर्फिल पर खिंची लक्ष्मण रेखा: प्रदर्शनकारियों के तेवरों को भांपते हुए पुलिस-प्रशासन ने पहले ही मजबूत बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने कांग्रेस दफ्तर के घेराव की

अनुमति नहीं दी थी। बैरिकेड्स पर चढ़े कार्यकर्ता, तीखी नोकझोंक: जैसे ही रैली चौमूं हाउस सर्फिल पर पहुंची, पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद खाकी और धक्का झड़ थामे नेताओं के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पर चढ़कर कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और तीखा विरोध दर्ज कराया।

**नारे बुलंद, मगर कुर्सियां**

**खाली:** इस सियासी संग्राम में तलखी पूरी थी, लेकिन जमीन पर वह जनसैलाब नदारद दिखा जिसकी उम्मीद एक सत्ताधारी दल के बड़े विरोध प्रदर्शन से की जाती है।

**उम्मीद से कम उपस्थिति:** प्रदर्शन के दौरान सड़क पर जुटी सीमित भीड़ राजनीतिक विश्लेषकों और खुद पार्टी के भीतर चर्चा का विषय बन गई। प्रधानमंत्री के सम्मान की लड़ाई के नाम पर हुए इस प्रदर्शन में आम कार्यकर्ताओं का उत्साह वैसा नजर नहीं आया जैसा अमूमन ऐसे मुद्दों पर दिखता है।

**अकेले पहुंचे जिलाध्यक्ष:** हालात की बानगी तब और नुमायां हो गई जब प्रदर्शन शुरू होने के काफी देर बाद जयपुर शहर बीजेपी जिलाध्यक्ष अमिता गोयल अकेले ही चौमूं हाउस सर्फिल पहुंचे। जिलाध्यक्ष का इस तरह बिना बड़े लवाजमे और अकेले पहुंचना भी मौके पर मौजूद सियासी पंडितों की नजरों से नहीं बच सका।

## कभी राम बनकर, कभी श्याम बनकर... की गूंज से भक्तिमय हुआ मेला परिसर

**कोटा, एजेंसी।** धवल चांदनी रोशनी और गुलाबी सर्द रात में जब विजयश्री रंगमंच से प्रसिद्ध भजन गायक तुषि शाक्य ने ईश्वर सत्य है, सत्य ही शिव है, शिव ही सुंदर है... सत्यम शिवम सुंदरस...कभी राम बनकर कभी श्याम बनकर चले आना...खिलौना माटी का....समेत एक से बढ़कर एक भजनों की सरिता बहाई तो दर्शक भक्तिरस में डूबकर नृत्य करने लगे।

यह नजारा था रविवार रात को

दशहरा मैदान स्थित विजयश्री रंगमंच का। नगर निगम की ओर से आयोजित 133 वें राष्ट्रीय दशहरा मेले के तहत आयोजित भजन संंध्या में दर्शक रात तक भक्तिरस में डूब गोते लगाते रहे। भजन संंध्या का आगाज भगवान श्री गणेश की आराधना देवा ओ देवा गणपति देवा... की सुमधुर वंदना से हुआ। जिसने संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय और बना दिया। इसके बाद उन्होंने जब अपना सबसे

लोकप्रिय और प्रसिद्ध भजन कभी राम बनकर...गाया तो दर्शक दीर्घा में बैठे श्रोता भक्ति भाव में डूबकर झुमने लगे। अध्यात्म और दर्शन से परिपूर्ण निर्गुण भजन सुनाकर वातावरण को गंभीर और भावुक बना दिया। कान्हा और राधा के पवन प्रेम पर आधारित श्याम चूड़ी बेचने आया.. और श्यामा आन बसो वृंदावन में....जैसे भजनों ने दर्शकों को ब्रज की पावन भूमि का अहसास कराया। मंच संभालते ही

गायिका तुषि शाक्य ने अपने कालजयी भजनों की श्रृंखला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

### देवी-देवताओं की महिमा का गुणगान किया

भजन संंध्या के दौरान तुषि शाक्य ने विविध देवी-देवताओं की महिमा का गुणगान किया। उन्होंने देवी मां के प्रसिद्ध भजन 'कभी दुर्गा बनकर कभी काली बनकर 'मानो तो मैं गंगा मां हूँ और 'अंबे तू है जगदंबे काली प्रस्तुत कर

## साहस, संवेदना और सूझबूझ को सलाम

## डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने सराहे सप्ताह के पांच सफलता सूत्र, पुलिसकर्मियों का बढ़ाया हौसला

### ► बेस्ट पुलिस वर्क ऑफ द वीक में अक्टूबर के दूसरे सप्ताह की उपलब्धियां चयनित ► करंट से झुलसे युवक की जान बचाने से लेकर 28 महिला टपेबाजों की गिरफ्तारी तक

**जयपुर, एजेंसी।** हाई-टेंशन पोल पर चढ़कर युवक की जान बचाने वाला जांबाज कांस्टेबल हो या धार्मिक आयोजन में जेवर चुराने वाली गैंग को दबोचने वाली टीम, राजस्थान पुलिस के जवानों ने बीते सप्ताह फिर साबित किया कि जमसेवा और अपराध के विरुद्ध सख्ती ही उनकी पहचान है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में जिलों से प्राप्त सफलता कहानियों में से चयनित पांच उत्कृष्ट कार्रवाइयों

की मुक्त कंठ से सराहना की है। उन्होंने सभी संबंधित पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्य पूरे पुलिस बल का मनोबल बढ़ाते हैं और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यही समर्पण, साहस और संवेदनशीलता आगे भी बनी रहेगी और अन्य पुलिसकर्मी भी इनसे प्रेरणा लेंगे।

**जयपुर पश्चिम: जान की परवाह किए बिना पोल पर चढ़कर बचाई युवक की जान**  
चेतक 60 पर ड्यूटी के दौरान पीसीआर से सूचना मिलने पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। वहां एक व्यक्ति मोतीलाल ठाकुर पुत्र गोकुल (50) निवासी गांव दरांडिया थाना रैली जिला सागर एम पी हाल बावड़ी पहाड़ी तलहटी कच्ची बस्ती जवाहर वोल्ट के हाई-टेंशन तार की चपेट में आकर करंट से गंभीर हालत में पोल पर लटका हुआ था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना खोराबीसल के कांस्टेबल चालक सुनील कुमार (नं. 5512)



ने अदम्य साहस दिखाया और तुरंत पोल पर चढ़कर घायल युवक को सुरक्षित नीचे उतारा। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उसकी जान बच गई। कांस्टेबल के इस साहसिक कार्य की चैतन्य साराहना हो रही है।

**जयपुर उत्तर: राजलक्ष्मी बैंक के फर्जी लोन घोटाले में 2 इनामी आरोपी गिरफ्तार**  
थाना माणकचौक में 'दी राजलक्ष्मी महिला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, जयपुर' में फर्जी पत्रों और दस्तावेजों के आधार पर 13 फर्जी ऋण खाते बनाकर करोड़ों रुपये दहपने और बैंक को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाने का

मामला दर्ज है। इसमें बैंक की पूर्व अध्यक्ष, अधिकारियों, ऋणियों और आरोपी नामजद हैं। लंबे समय से फरार और बार-बार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहे 10-10 हजार रुपये के दो मुख्य आरोपी को विशेष टीम ने तकनीकी अनुसंधान और मुखबिर तंत्र की सूचना पर गिरफ्तार किया। पुलिस अब माल और शेष आरोपियों की तलाश में जुटी है।

### सीकर: ज्वैलर्स से डकैती के मामले में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

थाना नेछवा के गनेड़ी क्षेत्र में

# सूखा संभावित जिलों में पेयजल एवं चारे की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित करें : वी. श्रीनिवास

## सूखा संभावित जिलों में पेयजल एवं चारा प्रबंधन के निर्देश

मुख्य सचिव ने सूखा संभावित जिलों में आमजन एवं पशुधन को राहत देने के लिए अग्रिम तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला प्रभारी सचिवों को अपने प्रभार वाले सूखा संभावित जिलों का भ्रमण कर धरातलीय आकलन करने तथा जिला कलेक्टरों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को पेयजल की सुचारु आपूर्ति के लिए आकस्मिक कार्य-योजना तैयार करने, आवश्यकतानुसार चारा डिपो स्थापित करने तथा गोशालाओं में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

### मिशन कर्मयोगी में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर-

मिशन कर्मयोगी के राजस्थान डैशबोर्ड की समीक्षा के दौरान बताया गया कि राज्य में 8 लाख 33 हजार से अधिक कार्मिक आई-गॉट (द्वतहज़) प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्ड हो चुके हैं और प्रमुख राज्यों की कंपीआई रैंकिंग में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। अब तक 82.25 लाख से अधिक नामांकन के विरुद्ध 49.12 लाख कोर्स पूर्ण किए जा चुके हैं। मुख्य सचिव ने नामांकन और कोर्स पूर्ण करने के अंतर को कम करने के निर्देश दिए। उन्होंने

कार्मिकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रत्येक शनिवार को कम से कम एक घंटा प्रशिक्षण के लिए देने को कहा। साथ ही स्वायत्त शासन विभाग तथा पंचायती राज विभाग को पोर्टल पर नए कौशल विकास कोर्स जोड़ने के निर्देश दिए।

**महिला सुरक्षा एवं बाल श्रमिकों की स्थिति में सुधार-** मुख्य सचिव ने जिलों में महिलाओं के कपीआई रैंकिंग में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। अब तक 82.25 लाख से अधिक नामांकन के विरुद्ध 49.12 लाख कोर्स पूर्ण किए जा चुके हैं। मुख्य सचिव ने नामांकन और कोर्स पूर्ण करने के अंतर को कम करने के निर्देश दिए। उन्होंने

## ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ रैली के लिए अजमेर कांग्रेस ने झोंकी ताकत, तीन बैठकों में बनी रणनीति

**अजमेर, एजेंसी।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आह्वान पर 1 नवंबर को दिल्ली में होने जा रही 'वोट बचाओ देश बचाओ' महारैली में शामिल होने के लिए अजमेर कांग्रेस ने बड़े पैमाने पर तैयारी शुरू कर दी है। शहर में उत्तर और दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग गुटों ने अपनी-अपनी बैठकें कर रणनीति तय की है।

अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की तैयारी बैठक आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपनी जाजम बिछा रहे धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में हुई। बैठक में तय किया गया कि अजमेर से करीब 2000 कार्यकर्ता रैली में शामिल होने जाएंगे। कार्यकर्ताओं के लिए बसें कहां से और कैसे जुटाई जाएंगी, वाहनों की व्यवस्था और वाई वाइज कार्यकर्ताओं की सूची को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

रलावता गुट ने भी की बैठक वहीं दूसरी ओर अजमेर उत्तर से ही चुनाव लड़ चुके पीसीसी सदस्य

महेन्द्र सिंह रलावता की अध्यक्षता में अजमेर उत्तर के ही कार्यकर्ताओं की एक और बैठक कांग्रेस कार्यालय पर हुई। बैठक में रलावता ने कहा कि जनता के वोट पर डका डालने और मतदाता सुविधों से नाम काटने की साजिश का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस रैली के लिए अजमेर उत्तर से सैकड़ों कांग्रेसमन दिल्ली कूच करेंगे और रामलीला मैदान से सत्ता के अहंकार को लोकतंत्र की ताकत का एहसास कराएंगे।

### दक्षिण में द्रौपदी कोली सक्रिय

एक अन्य बैठक अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में हुई जिसकी अध्यक्षता दक्षिण क्षेत्र से प्रत्याशी रही डॉ. द्रौपदी कोली ने की। वह दक्षिण क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को रैली में ले जाने की अरजा से तैयारी कर रही हैं। कुल मिलाकर राहुल गांधी की रैली को लेकर अजमेर कांग्रेस में जबरदस्त उत्साह है, भले ही तैयारियां अलग-अलग गुटों में हो रही हों, लेकिन लक्ष्य दिल्ली में ताकत दिखाने का है।



प्रांगण को शक्ति की उपासना से भर दिया। इसके साथ ही 'शिव शंकर चले रे कैलाश', 'सत्यम शिवम सुंदरम बोल के और 'राम नाम की लूट है जैसे भजनों पर श्रोताओं ने भावविभोर होकर जयकारे

लगाए।अंत में 'काना बरसाने में आ जयो', 'कैसा चक्कर चलाया श्याम और पारंपरिक 'आरती कुंज बिहारी की के साथ शरद पूर्णिमा की इस मनभावन रात में भक्ति और संगीत का यह अद्भुत संगम संपन्न हुआ।

### कथा कलश यात्रा में जेवर चुराने वाली अंतरराज्यीय गैंग की 28 महिलाएं गिरफ्तार

12 अक्टूबर 2026 को कुचामन सिटी थाना क्षेत्र में शिव मंदिर से उग्रपुरा तक निकाली गई भागवत कथा कलश यात्रा के दौरान महिलाओं के सोने-चांदी के जेवर चुराने या तोड़ने वाली शांतिर गैंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया। त्वरित कार्रवाई करते हुए गैंग की 28 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। वादवत को सीधे अंजाम देने वाली चार मुख्य महिलाएं भी इसमें शामिल हैं। इस कार्रवाई से धार्मिक आयोजनों में सक्रिय टपेबाजों और चोर गिरोहों पर बड़ा शिकंजा कसा गया है।

**डीजीपी का संदेश :** डीजीपी श्री राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि राजस्थान पुलिस का हर जवान जनता की सुरक्षा और सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। अच्छा कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सदैव प्रोत्साहित किया जाएगा और अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।



संक्षिप्त समाचार

आम नागरिकों को एफडी पर मिल रहा 7.5 प्रतिशत तक का ब्याज

नई दिल्ली, एजेंसी। सुरक्षित निवेश और बचत योजनाओं में से एक्सपर्ट सावधि जमा (एफडी) को भी एक मानते हैं। वे बताते हैं कि शेयर बाजार में चाहें कितनी भी गिरावट आ जाए, अगर आप एक बार फिक्स्ड रेट पर एफडी जमा कर देते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर पहले से तय ब्याज के हिसाब से ही राशि



मिलेगी। मतलब कि बाजार की गिरावट से आपके एफडी रिटर्न की रकम पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। इस बीच हम यहां आम नागरिकों (जिनकी उम्र 60 साल से कम है) के लिए पांच बैंकों की एफडी की बात कर रहे हैं, जिनमें उन्हें 7.5 प्रतिशत तक का सालाना ब्याज मिल रहा है। अब आइए जानते हैं कि ये कौन से बैंक हैं। इसके साथ ही हम यह भी जानेंगे कि अगर कोई पात्र ग्राहक दो साल के लिए 10 हजार रुपये (10,000) की एफडी करता है तो उसे मैच्योरिटी पर कितना पैसा मिल सकता है। हम यहां कुल पांच बैंकों की एफडी की बात कर रहे हैं, जो 7.0 फीसदी से लेकर 7.5 फीसदी तक सालाना ब्याज दे रहे हैं। शुरुआत हम इंडसइंड बैंक से करेंगे। हमारे सहयोगी ईटी वेलथ की एक रिपोर्ट के अनुसार, इंडसइंड बैंक अपने पात्र ग्राहकों को सालाना 7.0 प्रतिशत का रिटर्न देता है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की बात करें तो यह अपनी एफडी योजना पर 7.1 फीसदी का ब्याज देता है। वहीं, सिटी यूनियन बैंक सामान्य नागरिकों (60 वर्ष की आयु से कम) के लिए सालाना एफडी ब्याज 7.3 प्रतिशत का देता है।

10 नवंबर के बाद बंद हो सकते हैं पीएनबी के बैंक खाते



नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपको भी सेविंग अकाउंट पंजाब नेशनल बैंक में है, लेकिन आप लंबे समय से उसका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए जरूरी है। जी हां, क्योंकि बैंक ने ऐसे कुछ खातों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने की जानकारी दी है, जो लंबे समय से एक्टिवेट नहीं हैं और जिनमें कोई बैलेंस नहीं है। 10 नवंबर 2026 के बाद ऐसे खाते बंद किए जा सकते हैं, जो तय शर्तों को पूरा नहीं करते हैं। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे समय रहते अपने खाते की स्थिति जांच लें। अगर आपका अकाउंट भी इस कैटेगिरी में आता है और आप उसे चालू रखना चाहते हैं, तो चइष्ट अपडेट कराकर उसे दोबारा एक्टिव करना जरूरी होगा। इसका मतलब है कि जिन ग्राहकों ने 30 सितंबर 2023 से पहले अपने खाते का इस्तेमाल बंद कर दिया था और उसमें कोई बैलेंस भी नहीं है, उन्हें अपना अकाउंट चेक करना चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर आपने नौकरी बदलने के बाद पुराना सैलरी अकाउंट इस्तेमाल करना बंद कर दिया है और उसमें कोई पैसा नहीं है, तो आपको बैंक से संपर्क करके पता करना चाहिए कि आपका खाता इस कार्रवाई के दायरे में आता है या नहीं। ध्यान रखें कि हर एक्टिवेट खाता बंद नहीं किया जाएगा। बैंक का यह नोटिस खास तौर पर उन खातों से संबंधित है, जो 3 साल से अधिक समय से इस्तेमाल नहीं हुए हैं और जिनमें 0 बैलेंस है। अगर आपका खाता इन शर्तों के दायरे में आता है और आप उसे चालू रखना चाहते हैं, तो 10 नवंबर 2026 से पहले जरूरी प्रक्रिया पूरी कर लें।

# पेट्रोल-डीजल के एक्सपोर्ट से 50 प्रतिशत बढ़ गई भारत की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अपनी जरूरत का करीब 90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। लेकिन भारत भारी मात्रा में रिफाईंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का निर्यात करता है। इस फाइनैशियल ईयर में अप्रैल-सितंबर के दौरान भारत से पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में करीब 16 प्रतिशत गिरावट आई लेकिन कमाई में काफी तेजी आई। रुपये के हिसाब से देखें तो सालाना आधार पर भारत की कमाई लगभग 50 प्रतिशत बढ़कर 2.59 लाख करोड़ रुपये रही। कमजोरी के कारण यह बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारत मुख्य रूप से डीजल, पेट्रोल, जेट फ्यूल, नेफ्था और फ्यूल ऑयल का निर्यात करता है। कुल

पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में डीजल की हिस्सेदारी 42



प्रतिशत और पेट्रोल की 23 प्रतिशत है। भारत के कुल ईंधन निर्यात में रिलायंस इंडस्ट्रीज की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत है। इसके अलावा रूस की रोसनेफ्ट के निवेश वाली कंपनी

## पेट्रोल-डीजल की कीमत

डीजल की औसत क्षेत्रीय बेंचमार्क कीमत 151 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। भारत की कमाई में बढ़ोतरी में एक बड़ा हिस्सा डीजल से आया। निर्यात की मात्रा में 19 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद डीजल के निर्यात से होने वाली कमाई रुपये के हिसाब से 58 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये हो गई। डॉलर के हिसाब से इसमें 48 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पेट्रोल की औसत क्षेत्रीय बेंचमार्क कीमत बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल हो गई। पेट्रोल के निर्यात से होने वाली कमाई रुपये के हिसाब से 21 प्रतिशत बढ़कर 58,000 करोड़ रुपये हो गई, जबकि डॉलर के हिसाब से इसमें 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान देश का पेट्रोल निर्यात में 24 प्रतिशत की गिरावट आई। रुपये के हिसाब से भारत की

## रुपये पर दबाव

पिछले छह महीनों में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी के कारण रुपया दबाव में रहा है। तेल की कीमतें बढ़ने से घरेलू रिफाइनरियों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ जाती है, क्योंकि उन्हें आयातित कच्चे तेल का भुगतान करना पड़ता है। कच्चे तेल और ईंधन के आयात पर खर्च किए गए डॉलर का लगभग एक-चौथाई हिस्सा निर्यात के जरिए वापस आ जाता है। मात्रा के हिसाब से देखें तो, भारत जितना कच्चा तेल और ईंधन आयात करता है, उसका करीब 20 फीसदी निर्यात कर देता है।

# पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने बढ़ाई रिलीफ की अवधि

## निर्यातकों को राहत अब मार्च 2027 तक

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्यातकों के लिए अच्छी खबर है। सरकार ने पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण फ्रेट और इंश्योरेंस कॉस्ट बढ़ने से प्रभावित निर्यातकों को जोखिम सुरक्षा देने वाली योजना की अवधि छह महीने बढ़ाकर 31 मार्च, 2027 तक कर दी है। ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था। इसके मद्देनजर निर्यातकों को राहत देने के लिए सरकार ने 19 मार्च, 2026 को 'रिलीफ' योजना शुरू की थी। ईसीजीसी के ग्राहक पोर्टल पर जमा करने होंगे। वाणिज्य विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। (रिलीफ)' योजना के घटक-2 की अवधि बढ़ाने का उद्देश्य निर्यातकों को पात्र खेपों के लिए भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी) से बीमा कवर लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।



रिलीफ योजना सरकार के एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन का हिस्सा है। इसका उद्देश्य ईरान युद्ध के कारण खाड़ी तथा पश्चिम एशिया के व्यापक समुद्री मार्ग में व्यवधान से पैदा हुई लॉजिस्टिक लागत में असाधारण वृद्धि और निर्यात संबंधी जोखिमों से भारतीय निर्यातकों को निपटने में मदद करना है। इसका कुल बजट 497 करोड़ रुपये है। योजना के तीन मुख्य फ्रेमवर्क हैं, जो निर्यातकों के अलग-अलग गुप्त को टारगेट करती हैं।

# जेप्टो ने एमआरपी से महंगा बेचा सामान, कंज्यूमर कोर्ट ने दिया 57000 भरने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। विक्क कॉमर्स कंपनी जेप्टो को किराने का सामान अधिकतम खुदरा मूल्य से महंगा बेचना भारी पड़ गया। तेलंगाना की रंगारेड्डी जिला उपभोक्ता आयोग ने कंपनी को अनुचित व्यापार का दोषी माना है। आयोग ने ग्राहक को 2000 रुपये मुआवजा और 5000 रुपये मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया। इसके अलावा कंपनी को आयोग के कंज्यूमर लीगल एड अकाउंट में 50,000 रुपये जमा कराने होंगे। इस तरह कुल 57,000 रुपये देने का आदेश दिया गया है।

आयोग के आदेश के मुताबिक, हैदराबाद के उम्पल में रहने वाले 35 वर्षीय वकील के. शिव गणेश ने 28 सितंबर 2023 को कच्चा कटहल और एमटीआर 3 मिनट पोहा ऑर्डर किया था। इस ऑर्डर का कुल बिल 293 रुपये था। इसमें सामान की कीमत 288 रुपये और डेलीवरी चार्ज 5 रुपये शामिल था।

ग्राहक का आरोप था कि जेप्टो के ऐप पर सामान की कीमत उसकी एमआरपी से ज्यादा दिखाई गई। इसके बाद बढ़ी हुई कीमत पर डिस्काउंट भी दिया गया। ग्राहक ने इसे भ्रामक बताते हुए कंपनी से शिकायत की और कार्रवाई की मांग की। बाद में उन्होंने रंगारेड्डी जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने मानसिक परेशानी और अपने अधिकारों के उल्लंघन के लिए 5 लाख रुपये मुआवजा और 50,000 रुपये मुकदमे का खर्च मांगा था। हालांकि आयोग ने ग्राहक की इस मांग को स्वीकार नहीं किया और जुर्माने से संबंधित अपना फैसला सुनाया। कंपनी ने अपने बचाव में कहा कि वह इन उत्पादों की निर्माता नहीं है, बल्कि दूसरे निर्माताओं का सामान बेचती है। कंपनी ने अपनी सेवा की शर्तों का हवाला देते हुए कहा कि उत्पादों की कीमतें बदल सकती हैं।



# रीपो रेट बढ़ने पर तुरंत कर्ज महंगा कर देते हैं बैंक, घटने पर जल्दी नहीं मिलती राहत, आरबीआई की स्टडी

नई दिल्ली, एजेंसी। बुलेटिन में प्रकाशित शोध पत्र में ब्याज दरों के बदलाव का ग्राहकों तक पहुंचने में असमानता सामने आई है। इसमें कहा गया है कि रीपो रेट बढ़ने पर कर्ज की लागत तेजी से बढ़ती है, लेकिन कटौती का मिलने में ज्यादा वक्त लगता है। यानी बैंकों की ब्याज दरों में बदलाव का असर ग्राहकों तक समान गति से नहीं पहुंचता।

स्टडी के मुताबिक, जब केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ाता है, तो बैंक इस बढ़ोतरी का असर ग्राहकों पर अपेक्षाकृत तेजी से और ज्यादा पूरी तरह डालते हैं। इसके उलट जब दरें घटाता है, तो बैंक कर्ज की ब्याज दरें कम करने में धीमे रहते हैं। इससे होम लोन, कार लोन और दूसरे कर्ज लेने वालों को सस्ते कर्ज का फायदा तुरंत नहीं मिल पाता।

जिस दर पर बैंकों को कर्ज देता है, उसे रीपो रेट कहते हैं। इसमें बढ़ोतरी होने पर बैंकों की फंडिंग लागत और बाजार की ब्याज दरों पर दबाव बढ़ सकता



# नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप में चेयरमैन की नियुक्ति को लेकर खींचतान एक बार फिर बढ़ गई है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने एन. चंद्रशेखरन को टाटा संस का अगले 5 साल के लिए चेयरमैन बनाए रखने के फैसले को चुनौती दी है। उन्होंने इस नियुक्ति को नियमों के खिलाफ बताते हुए बोर्ड मीटिंग की बिना एडिट की गई वीडियो रिकॉर्डिंग भी मांगी है। इससे देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में शामिल टाटा ग्रुप के भीतर नेतृत्व और कॉरपोरेट गवर्नंस को लेकर मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं।

मीटिंग के एजेंडे पर उठाए सवाल द इकॉनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, नोएल टाटा ने टाटा संस के कंपनी सेक्रेटरी सुप्रकाश मुखोपाध्याय को पत्र लिखकर 17 सितंबर की बोर्ड मीटिंग में लिए गए फैसले पर सवाल उठाए हैं। वहीं मनीकंट्रोल ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि नोएल ने पांच साल के लिए दोबारा नियुक्ति को अमान्य बताया है। उन्होंने कई कारण गिनाए हैं।

## फरवरी 2027 में खत्म होना है मौजूदा कार्यकाल

एन. चंद्रशेखरन का मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को समाप्त होना है। संकेत दिया था कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए खुद को दोबारा नियुक्त नहीं कराना चाहते। इसके बाद टाटा ट्रस्ट्स ने उनके फैसले को मंजूर करते हुए नए चेयरमैन के चयन की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही थी।

## बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी

विभाग ने कहा कि इस योजना के तहत पात्र निर्यातकों को 95 प्रतिशत तक जोखिम सुरक्षा मिल सकती है। पात्र अवधि के दौरान संकट से पहले के स्तर की तुलना में बीमा प्रीमियम में हुई वृद्धि से भी सुरक्षा उपलब्ध है। यह विस्तार ऐसे समय किया गया है, जब पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण खाड़ी और आसपास के क्षेत्रों में समुद्री माल परिवहन प्रभावित हो रहा है। इससे भारतीय निर्यातकों के लिए माल ढुलाई की लागत, बीमा प्रीमियम और युद्ध संबंधी जोखिम बढ़ गए हैं। योजना का दूसरा घटक 16 मार्च, 2026 या उसके बाद ती गई ईसीजीसी की अलग-अलग और समय कारोबार वाली बीमा पॉलिसी पर लागू होता है। इसके तहत पूर्ण कंटेनर लोड (एफसीएल), आंशिक कंटेनर लोड (एलसीएल) और रेफ्रिजरेटेड कंटेनरों में भजे जाने वाले पात्र माल को शामिल किया गया है। ऊर्जा से संबंधित खेपों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है।



## ग्राहकों तक नहीं पहुंचता फायदा

मार्च 2022 से जनवरी 2025 के बीच रीपो रेट में 2.50 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी की, तो बैंकों ने कर्ज की ब्याज दरों में 1.91 प्रतिशत अंक यानी 76.4 प्रतिशत तक पहुंचाई। वहीं,

80 बेसिस पॉइंट यानी 64 प्रतिशत कटौती का फायदा दिया। इस मामले में ग्राहकों की भी शिकायत रही है कि रीपो रेट घटने के बाद भी कई बैंक उन्हें उसका फायदा वैसा ही नहीं देते। अब बुलेटिन में भी कहा गया है कि बैंक कर्ज में बढ़ोतरी तेजी से करते हैं, जबकि गिरावट का लाभ उतना नहीं देते। इस बीच के

चेयरमैन सीएम शेड्डी ने सोमवार को कहा कि दिसंबर 2026 में रीपो रेट 0.50 प्रतिशत अंक बढ़ सकता है। मुंबई में एक समिट में

इंस्टाग्राम से बनाया ऐसा ब्रांड कि विद्या बालन-दिलजीत दोसांझ भी फैन

# दादी के पुराने गहने-कपड़ों से मिला आइडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है इकरा अहमद की। वह श्रीनगर की रहने वाली हैं। उन्होंने बिना किसी फैशन बैकग्राउंड और बेहद सीमित संसाधनों से एक सफल ब्रांड खड़ा कर दिया है। इसका नाम 'तुलपलव' है। साल 2015 में इंस्टाग्राम के जरिए कश्मीरी संस्कृति को मॉडर्न ट्विस्ट देकर इसकी नींव रखी गई थी। यह तिल्ला, आरी और पश्मीना जैसी पारंपरिक कढ़ाई को आधुनिक अंदाज में ढालकर प्रीमियम और एथनिक परिधान तैयार करता है। आज यह फैशन ब्रांड देश-विदेश के सेलिब्रिटीज की पसंद बन चुका है। इनमें दिलजीत दोसांझ, विद्या बालन और हुमा कुरैशी जैसी हस्तियां शामिल हैं। आइए, यहां इकरा अहमद की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। इकरा अहमद वकीलों और डॉक्टरों के परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनकी हमेशा से फैशन डिजाइनिंग में दिलचस्पी थी।



## 5 प्रतिशत तक कैशबैक, ईएमआई ऑप्शन और भी बहुत कुछ

नई दिल्ली, एजेंसी। अन्य दिनों की तुलना में फेस्टिव सीजन में क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल की संख्या बढ़ जाती है। इस दौरान लोग शॉपिंग से लेकर फ्लाइट या मूवी टिकट बुकिंग तक की सुविधाएं उठाते हैं। कई बैंक अपने पात्र ग्राहकों को संबंधित क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करने पर कैशबैक की भी सुविधा देते हैं। ऐसे में हम यहां एक ऐसे कार्ड की बात कर रहे हैं, जिसकी जॉइनिंग और सालाना फीस को अपने हिसाब से भुगतान करने का ऑप्शन है। इसके अलावा इससे खरीदारी पर 5 फीसदी तक कैशबैक मिलता है। इसमें ऑप्शन है और गूगल पे से भी पेमेंट किया जा सकता है। इस कार्ड का नाम है, जो बैंक ऑफ बड़ोदा का है। आइए इसके बारे में जानते हैं।



# जरमनप्रीत ने संन्यास की अटकलों को नकारा

**नई दिल्ली।** भारतीय हॉकी डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है, हालांकि ऐसी खबरें हैं कि हॉकी इंडिया 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों के तहत चार वरिष्ठ खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से टीम से बाहर करने की तैयारी कर रही है। जरमनप्रीत का नाम उन चार खिलाड़ियों की सूची में शामिल होना है जिन्हें टीम से बाहर किया जा सकता है, यह एक आश्चर्य की बात है, क्योंकि कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना था कि 30 वर्षीय खिलाड़ी ने कम से कम लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक खेलने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है।

विंग-बैक के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका में भारत के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जो उच्च परिश्रम, आक्रामक

## जर्मनप्रीत का मूल्य

जारमनप्रीत को लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक टीम में बनाए रखने का उनका दावा उस भूमिका से और मजबूत होता है जिसे उन्होंने अपने पूरे करियर में बखूबी निभाया है। भारत ने विंग-बैक के तौर पर कई अन्य खिलाड़ियों को आजमाया है, लेकिन 30 वर्षीय जारमनप्रीत की कार्यकुशलता, आक्रमण में योगदान और रक्षात्मक कौशल का मेल कुछ ही खिलाड़ी कर पाए हैं। इन्हीं खूबियों के चलते वे मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के पसंदीदा खिलाड़ी बन गए थे और जारमनप्रीत का नाम अवसर टीम में शीर्ष पर होता था। पिच के दोनों छोर पर योगदान देने की उनकी क्षमता ने उन्हें भारतीय टीम का अहम हिस्सा बना दिया है, और इसी वजह से उन्हें टीम से बाहर करने की संभावना पूर्व खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। जारमनप्रीत ने 171 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और वह पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य थे। उनके नाम दो एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक भी हैं, क्योंकि वह 2022 और 2026 में खिताब जीतने वाली टीमों का हिस्सा थे। अर्जुन पुरस्कार विजेता का मानना है कि एक डिफेंडर के रूप में उनका विकास जारी है और वह अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त करने के बजाय उन सुधारों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने अपने रक्षात्मक कौशल को बेहतर बनाने, अच्छे अवसर पैदा करने और टीम के प्रदर्शन में योगदान देने की कोशिश की है। मैं एक डिफेंडर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों पर काम करना जारी रखूंगा और आगे सुधार करने का प्रयास करूंगा।'

क्षमता और रक्षात्मक अनुशासन का बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत करते हैं।

पेरिस ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाली टीम के सदस्य रहे इस डिफेंडर ने पीटीआई को बताया कि वह भारत के लिए खेलना जारी रखना चाहते हैं और लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। जरमनप्रीत, मनदीप सिंह, अमित रोहिदास और नीलाकांता शर्मा सहित कई वरिष्ठ खिलाड़ी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए अपना अंतिम मैच खेल सकते हैं। 'मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं और लॉस एंजिल्स ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं,' जरमनप्रीत ने पीटीआई को बताया। हॉकी इंडिया कथित तौर पर लॉस एंजिल्स 2028 को ध्यान में रखते हुए टीम में धीरे-धीरे बदलाव करने की योजना बना रही है।

## जर्मनप्रीत की नज़रें अधिनियम के शीर्षक पर हैं

पांच बार की चैंपियन और एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम भारत इस टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। लेकिन जरमनप्रीत ने आत्मविश्वास में कमी न आने की चेतावनी देते हुए कहा कि एशियाई खेलों में हालिया सफलता के बावजूद टीम को हर मैच में उतनी ही तीव्रता से खेलना होगा। उन्होंने कहा, 'हमने हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, और हम यहाँ भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। लेकिन हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, हालांकि भारत हॉकी में एक मजबूत टीम है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम पूरी ताकत के साथ खेल रहे हैं और एशिया की नंबर एक टीम हैं, लेकिन हम किसी भी प्रतिद्वंदी को कम नहीं आंकेंगे। हम टूर्नामेंट में एक-एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

## आईपीएल 2027 से पहले सीएसके ने उठाया बड़ा कदम एल्बी मोर्कल को सौंपी अहम जिम्मेदारी



**नई दिल्ली।** चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके ने बड़ा ऐलान किया है। कभी अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और शानदार गेंदबाजी से चेपाक के मैदान पर टीम की कई जीतों में अहम यादगार देने वाले साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर एल्बी मोर्कल को अपने साथ जोड़ा है। एल्बी मोर्कल दृष्ट में अब कोचिंग की भूमिका में नजर आएंगे। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2027 से पहले मोर्कल को अपना असिस्टेंट कोच नियुक्त किया है। टीम के नए हेड कोच पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान हैं। उन्हें हाल ही में इस पद पर नियुक्त किया गया। मोर्कल आईपीएल के पहले सीजन यानी 2008 से ही चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े रहे हैं। वह 2013 तक इस फ्रेंचाइजी के लिए खेले और इस दौरान टीम के अहम खिलाड़ियों में शामिल रहे। उन्होंने सीएसके की जर्सी में कुल 92 मुकाबले खेले। इस दौरान टीम ने 2010 और 2011 में लगातार दो बार आईपीएल खिताब जीते।

## आईसीसी इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान के स्वचाड का ऐलान विकेटकीपर-बल्लेबाज को मिली टीम की कमान

पाकिस्तान क्रिकेट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी PCB ने आईसीसी वूमैन्स इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए अपने स्वचाड का ऐलान कर दिया है। 29 साल की विकेटकीपर-बल्लेबाज मुनीबा अली पाकिस्तान की नियमित कप्तान फातिमा सना की गैरमौजूदगी में टीम की कमान संभालेंगी। फातिमा सना वूमैन्स बिग बैश लीग में शिरकत करने के कारण आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी। इस साल दूसरी बार संभालेंगी टीम की कमान - इस साल यह दूसरा मौका है जब मुनीबा, सना की जगह कप्तान की भूमिका निभाएंगी। जुलाई में श्रीलंका दौरे के दौरान, जब सना द हंड्रेड टूर्नामेंट में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेल रही थीं, तब मुनीबा ने ही पाकिस्तान टीम की कप्तानी की थी। व्यक्तिगत कारणों से एशियन गेम्स में न खेल पाने के बाद मुनीबा अली अब वूमैन्स इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में वापसी करेंगी। 2025 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद पाकिस्तान पहली बार इसमें हिस्सा लेगा।

**आयशा जफर को बनाया गया उप-कप्तान** -बल्लेबाज आयशा जफर को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है, जबकि एशियन गेम्स में खेलने वाली टीम से ऑलराउंडर आलिया रियाज और तेज गेंदबाज हुमना बिलाल को बाहर कर दिया गया है। सना के अलावा, 14 सदस्यीय टीम वहीं है जो एशियन गेम्स से पहले वूमैन्स एशिया कप में खेली थी।



## अभिषेक शर्मा ने की सूर्यकुमार यादव की बराबरी

टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में अभिषेक शर्मा ने सूर्यकुमार यादव, फिल साल्ट जैसे बल्लेबाजों की बराबरी कर ली है। इन सभी ने टी20 इंटरनेशनल में 4-4 शतक लगाए थे। वहीं अभिषेक भी अब तक 4 शतक लगा चुके हैं। अब इस लिस्ट में अभिषेक सिर्फ ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा से पीछे हैं। इन दोनों ने टी20 इंटरनेशनल में 5-5 शतक लगाए हैं। अभिषेक जल्द ही इन दोनों बल्लेबाजों को इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

## मेंस टी-20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज

|                    |
|--------------------|
| 5- ग्लेन मैक्सवेल  |
| 5- रोहित शर्मा     |
| 4- करणवीर सिंह     |
| 4- फिल साल्ट       |
| 4- सूर्यकुमार यादव |
| 4- अभिषेक शर्मा    |

## डेरिल मिचेल ने खेली 89 रनों की नाबाद पारी

न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की बात करें तो टीम का पहला विकेट दूसरे ओवर में गिरा। जब टिम सीफर्ट सिर्फ 2 रन बनाकर अर्शदीप सिंह की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद फिन एलन और डेरिल मिचेल ने संभलकर खेलते हुए दूसरे विकेट के लिए 86 रन जोड़े। एलन 40 रन बनाकर नीतीश रेड्डी का शिकार बने। अपना 100वां टी20 मैच खेल रहे ग्लेन फिलिप्स भी 17 रन बनाकर अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हो गए। मुश्किल वक्त में मिचेल का साथ देने बेवन जैकब्स आए और दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 75 रनों की शानदार और नाबाद साझेदारी की।



**अभिषेक शर्मा ने लगाया शानदार शतक**

न्यूजीलैंड के 198 रनों के जवाब में भारत ने शुरुआत से ही तुफानी बल्लेबाजी की। पारी की शुरुआत करने आए युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने बेहद आक्रामक अंदाज में खेलते हुए सिर्फ 19 गेंदों पर 45 रनों की धमाकेदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 4 चौके और इतने ही छक्के लगाए। उनका साथ दे रहे अभिषेक शर्मा ने तो

वेलिंग्टन। वेलिंग्टन में खेले गए तीसरे टी20 मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया इस सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। अब यहां से टीम इंडिया की नजरें क्लीन स्वीप पर होंगी। इस मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाए थे। 199 रन के टारगेट को भारत ने अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की तुफानी बल्लेबाजी के दम पर 13.2 ओवर (80 गेंदों) में आसानी से हासिल कर लिया।



## सूर्यवंशी पर वलूजर का बड़ा बयान ‘भारत को मिल गया अगला सुपरस्टार’

**नई दिल्ली।** साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर लॉस क्लूजरन का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में अगले दौर में आसानी से प्रवेश करने की क्षमता है। उन्होंने शुभमन गिल का समर्थन करते हुए कहा कि वे आने वाले कई सालों तक टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भविष्य के संभावित सुपरस्टार के रूप में पहचाना है, जो विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद उनकी जगह ले सकते हैं। क्लूजरन ने कहा कि कोहली और रोहित के कद को देखकर भारतीय क्रिकेट को अपनी अगली पीढ़ी को अपनाने से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस खेल ने हमेशा ऐसे खिलाड़ी दिए हैं जो अपने पूर्ववर्तियों की विरासत को आगे बढ़ाने में सक्षम रहे हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर, जो वर्तमान में अबू धाबी टी10 लीग में 'अरेबियन एसेस' के मुख्य कोच हैं, ने एक कार्यक्रम के दौरान 'आईएनएस' से कहा, 'विराट और रोहित अतीत में जितने शानदार रहे हैं, एक न एक दिन उन्हें खेल से विदा लेनी ही होगी। लेकिन क्रिकेट की खूबी यही है कि यह चलता रहता है। कभी-कभी तो यह और भी मजबूत हो जाता है। जब हम खेलते थे, तो लोगों को कभी नहीं लगा था कि सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड कभी टूट पाएंगे। और अब लोग उन रिकॉर्ड्स को चुनौती दे रहे हैं। इसलिए, खिलाड़ी आते-जाते रहते हैं। यह एक दुखद दिन होता है जब आपके खेल और देश के दिग्गज खिलाड़ी संन्यास लेते हैं। लेकिन अच्छी बात यह है कि हमेशा युवा, अधिक फिट और तेज खिलाड़ी तैयार रहते हैं।' पूर्व ऑलराउंडर ने गिल को बल्लेबाजी में एक 'असली सुपरस्टार' बताया और कहा कि इस युवा कप्तान के लिए अगली चुनौती एक लीडर

के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को भारत के प्रमुख बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका से अलग रखना होगा। उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से, मुझे पूरा यकीन है। मुझे लगता है कि वह इस काम के लिए बिल्कुल सही व्यक्ति हैं। बल्लेबाजी में वह एक असली सुपरस्टार हैं। उनके लिए बस यह सीखना जरूरी है कि एक बल्लेबाज के रूप में शुभमन गिल और एक कप्तान के रूप में शुभमन गिल की भूमिकाओं को कैसे अलग रखा जाए। सभी बेहतरीन कप्तानों ने इन दोनों चीजों को अलग-अलग रखना सीखा है। मुझे यकीन है कि उन्हें ऐसा करने के लिए कई मौके मिलेंगे और कई लोग होंगे जो उनकी मदद करेंगे, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि बल्लेबाजी में वह बेहतरीन हैं। और कप्तानी की बात करें तो, अनुभवी कप्तानों को भी हमेशा कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। उनके साथ भी ऐसा ही होगा। इसलिए, मैं उनके लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि वह एक सुपरस्टार हैं।

उम्मीद है कि वह आने वाले कई सालों तक बहुत साहस और एक बड़े मकसद के साथ भारत के लिए खेलेंगे।' गिल का एक लीडर के रूप में सामने आना ऐसे समय में हुआ है जब भारत को कोहली और रोहित के बाद के दौर की तैयारी कर रहा है। इन दोनों खिलाड़ियों ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। भले ही उनके संन्यास लेने से एक बड़ी कमी महसूस होगी, लेकिन क्लूजरन का मानना है कि इस बदलाव को खेल के एक स्वाभाविक हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के लिए किसी खतरे के रूप में। उन्होंने सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय प्रतिभा की एक नई पीढ़ी पहले से ही सामने आ रही है।



## न्यूजीलैंड ‘ए’ के खिलाफ तीसरा रेड-बॉल मैच खेल सकते हैं पंत

## बुमराह की वापसी के आसार

**नई दिल्ली।** विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत 7 से 10 नवंबर तक लंका में न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ होने वाले भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेल सकते हैं, क्योंकि समय रहते पंत के 'साइड स्टेन' से उबरने की उम्मीद है। इस महीने की शुरुआत में श्रीनगर में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए जम्मू-कश्मीर के खिलाफ जीत दिलाने के दौरान पंत को बाई तरफ खिंचाव आ गया था, जिसके बाद से वे मैदान से दूर हैं। इस चोट के कारण वे दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेल पाए और न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ शुरुआती दो चार-दिवसीय मैचों से भी बाहर रहे। पता चला है कि पंत बंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब कर रहे हैं और उन्होंने हल्के रिकल-आधारित अभ्यास शुरू कर दिए हैं। 'आईएनएस' को एक सूत्र ने बताया, 'पंत ठीक हो रहे हैं और अगर उन्हें फिटनेस सर्टिफिकेट मिल जाता है, तो वे भारत 'ए' के तीसरे मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

आगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो वे नवंबर के शुरुआती दिनों में न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो सकते हैं। 'पंत की गैरमौजूदगी में, चयनकर्ताओं ने पहले दो चार-दिवसीय मैचों के लिए झारखंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को उनकी जगह टीम में शामिल किया था। हाल ही में, जब झारखंड के कप्तान ईशान किशन को न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज के लिए चुना गया, तब उन्हें (ईशान को) दाएं पैर के ऊपरी हिस्से (एडक्टर) में हल्की चोट लग गई थी। ऐसे में कुशाग्र को कवर के तौर पर टीम में बुलाया गया। माना जा रहा है कि स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेलते नजर आ सकते हैं, जो लंका के बट सटक्विलफ ओवल में खेला जाना

है। बुमराह ने आखिरी बार अक्टूबर की शुरुआत में एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। इसके बाद, वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज और न्यूजीलैंड के मौजूदा दौरे पर उन्हें आराम दिया गया। यह भी माना जा रहा है कि तब ज गेंदबाज

प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड दौरे पर खेलने के लिए तैयार हैं। गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए वनडे मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जिसके बाद से वह खेल से दूर थे। पंत, बुमराह और प्रसिद्ध न्यूजीलैंड के खिलाफ 'दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं।





एंबुलेंस भी फंसी, वाहन चालकों को सबसे ज्यादा हुई परेशानी

## शिमला में भीषण जाम, सुबह-सुबह तीन घंटे तक रेंगती रहीं सैकड़ों गाड़ियां

**शिमला, एजेंसी।** शिमला के उपनगर ढली में सड़क किनारे रौंग पार्किंग लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। ढली सब्जी मंडी और पुलिस स्टेशन के बाहर आज सुबह ट्रैफिक जाम लगा रहा।

सुबह 5.30 बजे एक एंबुलेंस भी जाम में फंसी रही। इस दौरान सैकड़ों वाहन भी जाम में फंसे है। सुबह 8.30 बजे तक भी ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है।

ढली सब्जी मंडी और पुलिस स्टेशन के बीच सुबह करीब 5:15 बजे से वाहनों की कतारें लगनी शुरू हुई और सुबह 8.30 बजे तक जाम की स्थिति बनी हुई थी। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में वाहनों की बेतरतीब पार्किंग के कारण सड़क पर आवाजाही के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। ऐसे में सुबह के व्यस्त समय में यातायात बाधित हो जाता है। इसी तरह, ढली सब्जी मंडी



के भीतर और एंटी गेट पर भी कई वाहन रौंग साइड पार्क थे। इससे सब्जी की गाड़ियां बाहर



मुख्य सड़क पर खड़ी रही। इन गाड़ियों के कारण भी ट्रैफिक जाम की स्थिति गंभीर रही।

### स्कूली बच्चों और नौकरीपेशा लोगों को होती है परेशानी

ढली सब्जी मंडी के आसपास ट्रैफिक जाम आम बात हो गई है, जबकि यहां पर सड़क बहुत चौड़ी है। फिर भी यहां अक्सर ट्रैफिक जाम लोगों को परेशान करता है। शहर की अधिकांश प्राइवेट बसें और निजी वाहन बेतरतीब ढंग से यहां पार्क किए जाते है। इससे अक्सर स्कूली बच्चों, कामकाजी लोगों और आम जनता को परेशानी झेलनी पड़ती है। हैरानी की बात यह है कि ढली पुलिस थाना के बाहर भी ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है।

### संक्षिप्त

### समाचार

### गुवाहाटी के होटल में गोलीबारी, एक ही परिवार के 4 लोगों समेत पांच की मौत

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के गुवाहाटी में सोमवार रात अज्ञात बदमाशों ने एक होटल के पास



ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी। इस वारदात में एक ही परिवार के 4 लोगों समेत पांच की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में होटल के कर्मचारी और स्टाफ भी शामिल बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के एक घंटे के भीतर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से .30 बोर की पिस्टल बरामद की है। अज्ञात बदमाशों ने की गोलीबारी, 6 की मौत यह घटना सोमवार रात करीब 10 बजे नर रोड के व्यस्त कर्मशियल इलाके लचित नगर में होटल बिलास इन में हुई।। गोलियों की तड़तड़ाहट सुनते ही इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस की आला टीमें तुरंत मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। गोलीबारी करने वाले बदमाशों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर पार्थ सारथी महंत ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को मौके से अब तक चार घत मिले हैं, जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं एक की मौत इलाज के दौरान हुई है। उन्होंने अदेशा बताया कि जांच के दौरान मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है और न ही गोलीबारी के पीछे की वजह साफ हो पाई है। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है।

### अरुणाचल में मेंगा बांध परियोजना के विरोध से जनजीवन प्रभावित

**इटानगर, एजेंसी।** अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी जिले में सोमवार को प्रस्तावित मेंगा बांध परियोजना के विरोध में कई संगठनों द्वारा बुलाए गए 12 घंटे के बंद के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान वाहनों को नुकसान पहुंचा, जिसमें एक पुलिस कांस्टेबल-झड़वर हिबू लाशा और सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। दोनों का इलाज चल रहा है। सुबह पांच बजे शुरू हुए बंद का आह्वान आल ट्रेडर्स स्ट्रेंडेंस यूनियन ने अन्य संगठनों और जमीन प्रभावित लोगों के विभिन्न समूहों के साथ मिलकर किया था।

**अमेरिकी मध्यावधि चुनाव : सर्व में डेमोक्रैट को बढ़त, मैदान में भारतीय मूल के उम्मीदवार भी** वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव की सरगमी के बीच भारतीय मूल के मतदाताओं की पसंद पर भी सबकी नजर है। कार्नेगी व यूगोव के इंडियन अमेरिकन एंटीटयूड्स सर्व में 46% भारतीय-अमेरिकियों ने डेमोक्रैट को अपनी पसंदीदा पार्टी बताया। 19% ने खुद को रिपब्लिकन और 29% ने दोनों का विरोधी बताया। डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि ओ खन्ना कैलिफोर्निया के 17वें जिले से दोबारा जीतने की कोशिश में हैं। उनके सामने रिपब्लिकन रिंतेश टंडन हैं, जिससे भारतीय मूल के दो उम्मीदवारों के बीच मुकाबला हो गया है। डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि प्रमिला जयपाल वॉशिंगटन के 7वें जिले से एक और कार्यकाल के लिए चुनावी मैदान में हैं। उन्हें चुनौती दे रहे रिपब्लिकन उम्मीदवार नीरव सेठ भी भारतीय मूल के ही हैं।

**अहमदाबाद, एजेंसी।**

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को हाल ही में अहमदाबाद की साबरमती सेंट्रल जेल के एक विशेष हार्ड-सिक्योरिटी ब्लॉक में शिफ्ट कर दिया गया है। इसे ‘दो सौ खोली’ कहा जाता है। इस ब्लॉक में आतंकवाद और अन्य गंभीर अपराधों के आरोपी 200 खतरनाक कैदी रखे जाते हैं।

कैदियों को पूरी तरह अलग-थलग रखने और एक सेल से दूसरे सेल में जाने से रोकने के लिए इस ब्लॉक को चार हिस्सों में बांटा गया है, जिनमें से प्रत्येक में 50 कैदी रहते हैं। लॉरेंस के सेल का आकार लगभग 7.5×11 फीट है।

यह कदम लॉरेंस बिश्नोई की गतिविधियों पर लगाम लगाने के



लिए बनाई गई एक व्यापक सुरक्षा योजना का हिस्सा है। लॉरेंस को ऐसे ब्लॉक में रखा गया है जहां 2008 के धमाकों के दोषी भी बंद

हैं। 2023-2024 से पहले लॉरेंस अक्सर जेल से ही रंगदारी के लिए

कॉल करता था, अपना नेटवर्क चलाने के लिए धमकी भरे ऑडियो और वीडियो संदेश भेजता था और यहां तक कि

अलग-अलग जेलों से इंटरव्यू भी

देता था। लेकिन जांचकर्ताओं के अनुसार, पिछले दो सालों में उसकी तरफ से कोई भी सीधी कॉल या बातचीत नहीं हुई है। साबरमती जेल के भीतर ब्लॉक 200 एक अत्यधिक सुरक्षा वाला इलाका है। यहां 2008 के सीरियल ब्लास्ट मामले और अन्य गंभीर अपराधों के दोषी कैदी रखे जाते हैं। बीएनएस की धारा 303 के प्रावधानों के तहत, गंभीर अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए और जेल से बाहर जाने पर रोक वाले कैदियों को आमतौर पर इसी जोन में रखा जाता है।त्रत रखता है और शाकाहारी भोजन करता है।

### दस खोली से 200 खोली में शिफ्ट हुआ लॉरेंस

इससे पहले, लॉरेंस को दस खोली में रखा गया था। ये एक छोटी सी हार्ड-सिक्योरिटी जगह है, जहां सिर्फ 10 कैदी रह सकते हैं। उससे पहले, वह तिहाड़ जेल और पंजाब की अलग-अलग जेलों में रह चुका था। इन जेलों में रहने के दौरान लॉरेंस की कॉल सेंटर मालिकों को धमकी देने वाली रिकॉर्डिंग और गैंगस्टर शहजाद भट्टी के साथ कथित बातचीत सामने आई थी। लोगों से मिलने-जुलने और डिजिटल दुनिया तक पहुंच न होने के कारण लॉरेंस अब चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी में, अकेले रहता है। बताया जाता है कि वह अपनी कोठरी में एक अनुशासित और तपस्वी जैसा जीवन बिताता है। सुबह का समय ध्यान में लगाता है, नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करता है।

### कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या विवाद में बर्ही गिरधारी लाल साहू की मुश्किलें, एसआईटी ने दर्ज किए स्टाफ के बयान

**देहरादून,एजेंसी।** कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या और उनके पति गिरधारी लाल साहू से जुड़े प्रकरण में विशेष जांच दल (एसआइटी) ने जांच तेज कर दी है। मंत्री के बयान दर्ज करने और बरेली से साक्ष्य जुटाने के बाद अब एसआइटी ने उनके स्टाफ के बयान भी दर्ज किए हैं। बताया जा रहा है कि स्टाफ ने भी गिरधारी लाल साहू पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप लगाए हैं। इन बयानों के सामने आने के बाद मामले में गिरधारी लाल साहू की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। पुलिस अब दर्ज बयानों और पहले जुटाए गए साक्ष्यों का मिलान कर रही है। जांच से जुड़े घटनाक्रम के अनुसार, रेखा आर्या ने अपनी शिकायत में गिरधारी लाल साहू पर स्टाफ के सामने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने सहित अन्य आरोप लगाए थे। एसआइटी अब इन आरोपों की पुष्टि के लिए संबंधित लोगों के बयान दर्ज कर रही है। स्टाफ के बयानों को जांच की अहम कड़ी माना जा रहा है। इससे पहले जांच टीम बरेली जाकर संबंधित लोगों से पूछताछ करने और

दस्तावेज जुटाने की कार्रवाई कर चुकी है। मंत्री की ओर से कंपनियों में निदेशक पदों से हटाने के लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल का आरोप भी लगाया गया है। पुलिस बरेली से जुटाए गए दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों का शिकायत में लगाए गए आरोपों से मिलान कर रही है। इस मामले में कुछ दस्तावेजों में कूटरचना पाई गई है। इसके अलावा, इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कथित आडियो को भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। एसआइटी इस आडियो को जल्द फॉरेंसिक जांच के लिए भेज सकती है। हालांकि, इससे पहले गिरधारी लाल साहू के कोर्ट के समक्ष आवाज सैंपल लेने जरूरी हैं।



## नीदरलैंड से दो बड़े संकेत: अमेरिका से डील करीब, कार्बन कर पर अड़ा यूरोप; व्यापार समझौतों पर गोयल तय्या बोले

वाशिंगटन, एजेंसी। महीनों की खींचतान, शुल्कों की मार और कई दौर की बातचीत के बाद भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अब अंतिम मोड़ पर है। दोनों देशों के बीच ज्यादातर मुद्दों पर बातचीत पूरी हो चुकी है और अब समझौते की बारीकियां कसी जा रही हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को हेग में भारत-नीदरलैंड कारोबारी मंच को संबोधित करते हुए यह एलान किया। उन्होंने कहा कि भारत आठ और देशों के साथ भी व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। गोयल का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी के कुछ दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने भारत के साथ समझौते को लेकर उम्मीद जताई थी। 20 अक्टूबर को व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा था कि भारत समझौता करना चाहता है, हम समझौता करेंगे, हम काफी करीब हैं, और यह पहले के समझौतों से बिल्कुल अलग तरह का होगा। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी कहा है कि बड़े मुद्दे सुलझ गए हैं और दोनों देश समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। उधर, इसी मंच परनीदरलैंड के विदेश व्यापार और विकास सहयोग मंत्री शूर्ड शूर्डस्मा ने साफ कर दिया कि यूरोप के कार्बन सीमा कर पर कोई समझौता नहीं होगा। वैन गोंग की मिसाल पर मुस्कुराहटें साझा करने वाले भारत और नीदरलैंड कार्बन कर पर एक सुर में नहीं दिखे। मीडिया से बातचीत में डच मंत्री शूर्डस्मा ने दो टूक कहा कि यूरोप के कार्बन सीमा कर यानी सीबीएएम पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यूरोप में नियमों के अंबार पर गोयल की आलोचना को लेकर उन्होंने माना कि इस दिशा में काम हो रहा है, लेकिन जोर देकर कहा कि कुछ नियमों का बने रहना बहुत जरूरी है। गोयल ने मुस्कुराते हुए कहा कि दोनों देशों ने शायद कभी इस साझेदारी की ताकत को पूरी तरह पहचाना ही नहीं, वरना भारत के किसी वाणिज्य मंत्री को यहां पहली बार आने में इतने बरस न लगते, और कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी शायद दशकों बाद आया है।

नई एव तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए

## सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और

**वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए**  
**भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें**  
**मात्र 700 रुपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए**  
**और अन्य आकर्षक उपहार के लिए**

## बम्पर ड्रा

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |                                                                                       |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>पहला इनाम</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | <b>दूसरा इनाम</b>                                                                     |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |  |
| <b>एक हीरो बाईक</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | <b>एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक इनाम</b>                                       |
| <b>तीसरा इनाम</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |                                                                                       |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |                                                                                       |
| <b>बीस मोबाईल फोन</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |                                                                                       |
| <ul style="list-style-type: none"><li>कोई भी व्यक्ति एंजेंट 500 से अधिक मेम्बर बना होगा तो ऐसे अवसर से उपहार दिया जाएगा।</li><li>ये स्क्रीन एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।</li><li>31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम इतिहास के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।</li><li>ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर डी भाग ले सकते हैं।</li><li>भेदी नजर प्रत्येक माह की पड़ती तारिख को छुट्टन छापेगा।</li></ul> |                                                                                       |

### पराली प्रबंधन के लिए विशेष किसान हेल्पलाइन शुरू, फोन पर मिलेगी मशीनों की जानकारी; पंचायतें हुई सम्मानित

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किसानों को अब फोन पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन मिलेगा। क्लीन एयर पंजाब, एयरकेयर सेंटर और सांझा पंजाब से जुड़ी पहल सांझा मित्र किसान सहायता केंद्र ने विशेष टेलीफोन हेल्पलाइन शुरू की है। इसके माध्यम से किसान पराली जलाए बिना फसल अवशेषों का प्रबंधन करने, आधुनिक कृषि मशीनरी की उपलब्धता और उसके इस्तेमाल के बारे में जानकारी हासिल कर सकेंगे। हेल्पलाइन नंबर 79737-27514 है। यह सेवा सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक उपलब्ध रहेगी। धान की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच कम समय होने के कारण किसानों के सामने पराली प्रबंधन की चुनौती रहती है। समय पर उपयुक्त मशीनरी और सही जानकारी नहीं मिलने से कई बार किसान पराली जलाने का विकल्प चुन लेते हैं। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए सांझा मित्र के माध्यम से किसानों को किफायती और व्यावहारिक विकल्पों की जानकारी देने की पहल की गई है। यह हेल्पलाइन केवल किसानों के सवालों के जवाब देने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उन्हें फसल अवशेष प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों और मशीनरी के प्रभावी इस्तेमाल के बारे में भी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

## मिर्गी के दौरों का बहाना, पुलिसकर्मियों पर अचानक हमला... तमिलनाडु की जेल से आधी रात 17 कैदी फरार

**चेन्नई, एजेंसी।** तमिलनाडु के थेनी जिले की थेक्कम्पट्टी जेल से सोमवार देर रात एक नाटक के तहत सुरक्षाकर्मियों पर हमला कर 17 कैदी फरार हो गए। पुलिस ने कांम्बिंग ऑपरेशन के दौरान जेल से भागे चार कैदियों को गिरफ्तार कर लिया है। दक्षिण क्षेत्र के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (आईजीपी) विजयेंद्र बिदारी के अनुसार, इनमें से 4 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है। बाकी की तलाश के लिए 17 विशेष टीमें गठित कर कांम्बिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

बौमारी का नाटक कर

रची भागने की साजिश पुलिस के अनुसार, सभी 17 कैदी एक ही बैरक में बंद थे। योजना के तहत कैदियों ने जेल कर्मियों को सूचना दी कि एक कैदी की तबीयत खराब हो गई है और उसे मिर्गी का अटैक आया है। जैसे ही जेलकर्मों मदद के लिए बैरक के अंदर पहुंचे, कैदियों ने अचानक पर हमला बोल दिया और मौके से भाग निकले। कैदियों के इस अचानक हमले में थेनी जिला जेल के ग्रेड-टूहू पुलिसकर्मों थंगापांडी के सिर में गंभीर चोट आई। उन्हें तुरंत जी. विलाक्कु के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इसके अलावा, ड्यूटी पर मौजूद दो अन्य जेलकर्मियों को भी हल्की चोटें आई हैं।

घटना के बाद मदुरै, डिंडीगुल और पडोसी राज्य केरल के इडुक्की जिले की पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। डिंडीगुल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एस. जयकुमार ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर जिले में 16 जगहों पर चेकपोस्ट बनाए गए हैं। डिंडीगुल-थेनी हाईवे पर वाहनों की कड़ी जांच की जा रही है। सभी फरार कैदियों की तस्वीरें आसपास के पुलिस थानों में भेज दी गई हैं और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कर रही है। इस जेल ब्रेक की घटना पर डीएमके के राज्यसभा सांसद पी. विल्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना को बेहद शर्मनाक बताया और राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए।



**आर.एन.आई. नं.**

**HAR/HIN/2011/43680**

**प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी**

**एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा**

**उमा पब्लिकेशनस्**

**प्लॉट नं. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्प्लेक्स**

**सेक्टर - 10**

**फरीदाबाद से प्रकाशित**

**एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस**

**ई-33 सेक्टर -7 नोएडा**

**से मुद्रित**

**संपादक**

**उमा शर्मा**

**प्रधान संपादक**

**गिरीश चन्द्र शर्मा**

**फोन नं. -**

**0111-66304689**

**0120-4189808**

**0129-2290152**

**0129-2267 07 8**

**0129-2977562**

**फैक्स नं. -**

**011-66304690**

**0129-2297 640**

**मो. : 9811157 562,**

**सभी विवादों का न्याय क्षेत्र**

**फरीदाबाद होगा ।**

**पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनजर संस्थान, संपादक और प्रधान संपादक कानूनन जिम्मेदार नहीं होगा**